RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 26 अंक : 268 website:www.chetnamanch.com नोएडा, बृहस्पतिवार, 19 सितंबर, 2024 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रुपया पेज: 8

हरियाणा में 20 बड़े वादे

महिलाओं को हर माह 2100 रुपये, अग्निवीरों को सरकारी नौकरी, ग्रामीण छात्राओं को स्कूटी, 24 फसलों की एमएसपी पर खरीद, दो लाख युवाओं को सरकारी नौकरी

रोहतक (एजेंसी)। हरियाणा में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपना घोषणा-पत्र जारी कर दिया है। पार्टी ने इसे संकल्प पत्र नाम दिया है। इसमें बीजेपी ने हरियाणा की जनता से 20 बड़े वादे किए हैं। रोहतक में घोषणा पत्र जारी करते समय बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद रहे। इस दौरान सूबे के सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह घोषणापत्र चुनावी नहीं है।

भाजपा के संकल्प-पत्र में महिलाओं को हर महीने 2100 रूपये, कॉलेज जाने वाली ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं को स्कूटी, ओबीसी उद्यमियों को 25 लाख का ऋण, दो लाख युवाओं तथा हरियाणा के हर अग्निवीर को सरकारी नौकरी की गारंटी दी गई है। इस मौके पर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि हरियाणा के विकास के लिए भारतीय जनता पार्टी संकल्पबद्ध है। इस घोषणा-पत्र में हरियाणा की जनता तथा समाज के हर वर्ग का ध्यान रखा गया है।

पार्टी का 'संकल्प पत्र' जारी करने के बाद केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस के लिए यह दस्तावेज (घोषणा पत्र) महज औपचारिकता है। उनके लिए यह दस्तावेज महज रस्म अदायगी है और उनके लिए यह दस्तावेज लोगों को धोखा देने के लिए है। 10 साल पहले हरियाणा की छवि क्या थी? हरियाणा की छवि 'खारची' और 'पर्ची' के आधार पर नौकरी पाने की थी। हरियाणा जमीन घोटालों के लिए जाना जाता था। हमारे लिए 'संकल्प पत्र' बहुत महत्वपूर्ण है। हम हरियाणा की बिना रुके सेवा कर रहे हैं।

शपथ पत्र जारी करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमारी सरकार ने 5 साल पहले किए गए वादों को पूरा किया। हमने 2014 में जो वादे किए थे, उन्हें पूरा किया है। हमने 187 वादे किए थे और हम गर्व से कह सकते हैं कि हमने सभी वादे पूरे किए हैं। लोग हम पर भरोसा करते हैं, क्योंकि हम अपना घोषणापत्र पूरा करते हैं। दूसरी पार्टियां ऐसे **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

अरबों रूपए है सरदार मोहिंदर सिंह की पाप की कमाई, ईडी के हाथ लगी 'खुरचन'

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के भूतपूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ), उत्तर प्रदेश के रिटायर्ड आईएएस अधिकारी, नोएडा प्राधिकरण, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण तथा यीडा के पूर्व चेयरमैन, उत्तर प्रदेश के सबसे भ्रष्ट अफसर यें सभी पहचान एक ही व्यक्ति की है। इस व्यक्ति का नाम है सरदार मोहिंदर सिंह। सरदार मोहिंदर सिंह नोएडा से लेकर दिल्ली तक एक बार फिर चर्चा का विषय बना है। सरदार मोहिंदर सिंह पर भ्रष्टाचार के जरिए अरबों रूपए की पाप की कमाई करने के आरोप हैं। बुधवार को ईडी के छापे में उसके घर से सात करोड़ रूपए के हीरे, कुछ कैश तथा सोना मिला है। ईडी को मिला सामान सरदार मोहिंदर सिंह की काली कमाई की खुरचन भर है।

● सरदार मोहिंदर सिंह के घोटाले की एक बानगी

सरदार मोहिंदर सिंह ने किस कदर घोटाले किए हैं इसकी एक बानगी (उदाहरण) हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। आपको बता दें कि नोएडा प्राधिकरण से सैकड़ों करोड़ रूपए की भूमि आवंटित कराने वाले एक दर्जन बिल्डर कंगाल हो गए हैं। नोएडा में सक्रिय इन बिल्डरों ने अपनी-अपनी नोएडा की कंपनियों को दिवालिया घोषित कर दिया है। दिवालिया होने वाले बिल्डरों के ऊपर नोएडा प्राधिकरण के नौ हजार करोड़ से भी अधिक रूपए बकाया है। दिवालिया हो जाने के कारण इन बिल्डरों से अब रिकवरी की उम्मीद ना के बराकर रह गयी है। रिकवरी ना होने का अर्थ है कि नोएडा प्राधिकरण का पूरा बकाया डूब गया है। नोएडा प्राधिकरण के इस बकाये की रकम 9 हजार करोड़ रूपए से भी अधिक की है। नोएडा प्राधिकरण का सबसे बड़ा बकाया आम्रपाली बिल्डर पर है। दिवालिया हो चुके आम्रपाली बिल्डर पर नोएडा प्राधिकरण के 4500 करोड़ रूपए बकाया है। इस कड़ी में दूसरा नाम सुपरटेक बिल्डर का है। सुपरटेक बिल्डर पर नोएडा प्राधिकरण के 3062 करोड़ रूपए बकाया है। इसी प्रकार लॉजिक्स **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

सरदार मोहिंदर सिंह का है पूरा घोटाला

नोएडा प्राधिकरण की भारी-भरकम धनराशि डूबने का यह पूरा घोटाला सरदार मोहिंदर सिंह के कारण हुआ है। दरअसल सरदार मोहिंदर सिंह उत्तर प्रदेश के रिटायर्ड IAS अधिकारी हैं। इस IAS अधिकारी मोहिंदर सिंह को सबसे बड़ा भ्रष्ट अधिकारी माना जाता है। सरदार मोहिंदर सिंह तत्कालीन मुख्यमंत्री सुश्री मायावती की सरकार में सबसे फेवरेट अधिकारी था। सरदार मोहिंदर सिंह 14 दिसंबर 2010 से लेकर 20 मार्च 2012 तक नोएडा प्राधिकरण में सीईओ तथा चेयरमैन के पद पर तैनात रहा है। उसी तैनाती के दौरान मोहिंदर सिंह ने बिल्डरों को कौडियों के भाव नोएडा प्राधिकरण की सारी जमीन बेच डाली थी।

चेतना मंच के पास है मोहिंदर सिंह की काली कमाई के सबूत

"आपको बता दें कि एक समय सरदार मोहिंदर सिंह ने नोएडा प्राधिकरण को भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया था। चेतना मंच ने दर्जनों बार सरदार मोहिंदर सिंह के भ्रष्टाचार तथा घोटाले के समाचार प्रकाशित किए हैं। चेतना मंच की खोजबीन में पता चला है कि सरदार मोहिंदर सिंह ने एक-एक घोटाले में हजारों करोड़ रूपए का खेला किया था। सरदार मोहिंदर सिंह की काली कमाई अरबों रूपए में है। बुधवार को ईडी ने सरदार मोहिंदर सिंह के चंडीगढ़ वाले घर पर छापा मारकर सात करोड़ रूपए मूल्य के हीरे, 12 करोड़ रूपए नगद तथा चार करोड़ रूपए के जेवरात बरामद किए हैं। सरदार मोहिंदर सिंह के घर से बरामद माल को सरदार मोहिंदर सिंह की काली कमाई की बस खुरचन भर माना जा रहा है।

सीईओ से मिला डीडीआरडब्लूए का प्रतिनिधिमंडल

सौंपा 17 सूत्रीय समस्याओं का ज्ञापन, सीईओ ने दिया आश्वासन

नोएडा (चेतना मंच)।

आज डिस्टिक डेवलपमेंट रेजिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन (डीडीआरडब्लूए) के प्रतिनिधिमंडल ने नोएडा प्राधिकरण के कार्यपालक अधिकारी डॉ. लोकेश एम से मुलाकात की तथा उनके समक्ष प्रमुख समस्याएं रखी।

डीडीआरडब्लूए के अध्यक्ष एनपी सिंह तथा वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव कुमार ने नोएडा के विभिन्न सेक्टर में व्याप्त 17 समस्याओं का ज्ञापन भी सीईओ को सौंपा। सीईओ ने डीडीआरडब्ल्यूए के प्रतिनिधि मंडल को आश्वासन दिया कि उनकी सभी समस्याओं का समुचित समाधान किया जाएगा। इस मौके पर अध्यक्ष के अलावा सभी पदाधिकारी भी मौजूद थे।

यूपीसीडा के उप महाप्रबंधक राजेंद्र भाटी निलंबित

तबादला के 1 वर्ष बाद भी ग्रहण नहीं किया कार्यभार

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश शासन के आदेशों की अवहेलना करने पर उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास अभिकरण (यूपीसीडा) के उप महाप्रबंधक (सिविल) राजेंद्र भाटी को निलंबित कर दिया गया है। यह आदेश औद्योगिक विकास विभाग के प्रमुख सचिव अनिल कुमार सागर ने जारी किए हैं।

उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास विभाग के प्रमुख सचिव अनिल कुमार सागर द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि जनहित में शासन ने 30 जून 2023 को यूपीसीडा के उप महाप्रबंधक (सिविल) राजेंद्र भाटी को तबादला करते हुए नवीन तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए थे। लेकिन उन्होंने कार्यभार ग्रहण नहीं किया। ऐसा करके उन्होंने शासकीय आदेशों की अवहेलना की है। इसी कारण उत्तर प्रदेश सरकारी सेवा (अनुशासन एवं अपील) नियमावली 1999 के नियम-7 के तहत राजेंद्र भाटी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित कर दिया गया है।

ज़ेवर के रन्हेरा में जलभराव से अधिकारियों की लापरवाही उजागर : धीरेंद्र सिंह

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के ज़ेवर क्षेत्र में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास स्थित गाँव में जल भराव की समस्या लोगों का सिर दर्द बन गई है। हाल ही में हुई बारिश से ज़ेवर क्षेत्र के रनहेरा गाँव में बाढ़ जैसे हालत उत्पन्न हो गए थे । ज़ेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने इस मामले में संबंधित विभाग के अधिकारियों पर लापरवाही बरतने के आरोप लगाए है और उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह से मिलकर उनपर कार्यवाही की माँग की है।

ज़ेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह से लखनऊ में मिलकर उन्हें ज़ेवर के ग्रामीण क्षेत्रों में हुई जल भराव की समस्या से अवगत कराया । विधायक ने कहा कि बरसात से पहले नालों की सफाई न होने के कारण जल निकासी की व्यवस्था चरमरा गई, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में पानी भर गया ।विधायक ने लापरवाही बरतने वाले संबंधित विभागों के अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है ।

उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने ज़ेवर विधायक धीरेंद्र सिंह को लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है और साथ ही मुख्यमंत्री कार्यालय ने सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के प्रमुख अभियंता और विभागाध्यक्ष को निर्देशित किया कि 17 करोड़ रुपए की लागत से डिज़ाइन किए गए नाले की स्थिति का निरीक्षण करने के लिए राज्यस्तरीय कमेटी बनाई जाये।

ज़ेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने कहा कि ग्रामीणों को समस्या से निजात दिलाना हमारी प्राथमिकता है। गाँव में जल निकासी का कार्य शुरू हो गया है। जल्द ही जल भराव की स्थिति से छुटकारा मिलेगा और दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि भविष्य में ऐसी समस्याओं का सामना न करना पड़े।

मकान मालिक ने किरायेदार को पीटा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-113 में एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह अंबेडकर सिटी में किराए के मकान में रहते हैं। उनके मकान में कई दिनों से पानी नहीं आ रहा था। इसलिए वह मकान खाली कर रहा था। पीड़ित का आरोप है कि मकान मालिक अपने साथियों के साथ आया तथा उसने उसके और उसके रिश्तेदारों के साथ मारपीट की।

थाना सेक्टर -113 पुलिस ने बताया कि सर्वेंद्र सिंह ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह अंबेडकर सिटी में किराए के मकान पर रहते थे। मकान मालिक नसीम अंसारी से उसने शिकायत की थी उनके घर में कई दिनों से

पानी नहीं आ रहा है। नसीम अंसारी ने कहा है कि तुम कमरा खाली कर दो। पीड़ित के अनुसार वह कल मकान खाली कर रहा था, इसी बीच नसीम अंसारी अपने दो दोस्तों के साथ आया तथा उसने उसके साथ मारपीट की। पीड़ित के अनुसार उसे बचाने के लिए उसके चाचा का लड़का शिवम आया तो उसके साथ भी आरोपियों ने मारपीट की।

प्राधिकरण की कौड़ी खर्च हुए बिना बनेगा नया एलिवेटेड एक्सप्रेस-वे!

- **नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे के समानांतर बनेगा 30 किमी लम्बा एक्सप्रेस-वे**
- **प्राधिकरण के सीईओ ने लोनिवि के प्रमुख सचिव को लिखा पत्र**

नोएडा (चेतना मंच)। पुरानी एक कहावत है कि 'हर्र लगे न फिटकरी, रंग भी चोखा होय'। इसी तर्ज पर अब नोएडा प्राधिकरण भी चल पड़ा है। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे के समानांतर 30 किमी लम्बा एलिवेटेड रोड या एक्सप्रेस-वे बनाने के लिए

प्राधिकरण का खर्च न हो, इसलिए इस प्रोजेक्ट को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने के लिए लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव को पत्र भेजा है।

नोएडा प्राधिरकण एक्सप्रेस वे के समानान्तर एक नया एक्सप्रेस-वे बनाने जा रहा है। ये एक्सप्रेस वे करीब 30 किमी लंबा होगा। इसे एलिवेटेड छह लेन के एलिवेटड ट्रैक में बनाया जा सकता है या ग्राउंड पर 8 लेन की रोड ये एक्सप्रेस वे सेक्टर-150 के पास यमुना एक्सप्रेस वे को जोड़ेगा। एलिवेटड कालिंदी कुंज के पास यमुना पुल से सेक्टर-150 के पास समाप्त होने वाली सड़क तक बनाया जाएगा। इसके लिए प्राधिकरण ने प्रदेश सरकार से 30 किमी की दूरी को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने का अनुरोध किया है। प्राधिकरण सीईओ लोकेश एम ने बताया कि वर्तमान में नोएडा एक्सप्रेस-वे पर रोजाना करीब 3 से 4 लाख वाहन आते है। भविष्य में यहां और ज्यादा वाहन चलेंगे। इससे कार्बन उत्सर्जन ज्यादा होगा। यानी आसपास के क्षेत्र में वायु प्रदूषण में इजाफा होगा। **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

कार से वकील का बैग चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर में एक अधिवक्ता ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनके दोस्त की कार से अज्ञात बदमाशों ने उनका बैग चोरी कर लिया। बैग में मोबाइल फोन, नगदी, क्लाइंट की फाइल और महत्वपूर्ण दस्तावेज था। थाना सूरजपुर पुलिस ने बताया की बीती रात को अधिवक्ता शशांक प्रताप ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह गौतम बुद्ध नगर न्यायालय में प्रैक्टिस करते हैं। पीड़ित के अनुसार 10 सितंबर को 11 बजे के करीब वह न्यायालय परिसर में पहुंचे। उन्होंने अपना बैग अपने साथी अधिवक्ता विपिन भाटी की कार में रख दिया। पीड़ित के अनुसार वह न्यायालय में काम से चले गए। जब दोपहर के समय वह खाना खाने के लिए वापस आए तो उन्होंने देखा कि विपिन भाटी की कार के ड्राइवर सीट की खिड़की खोलकर अज्ञात बदमाशों ने उसमें रखा हुआ अधिवक्ता शशांक प्रताप का बैग चोरी कर लिया। उसमें शशांक प्रताप अधिवक्ता का एक मोबाइल फोन, बाइक की चाबी, **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

केजरीवाल का दांव

एक बार फिर साबित हुआ कि अरविंद केजरीवाल राजनीति के चतुर सुजान हैं। वे भी आपदा को अवसर में बदलने का हुनर जानते हैं। शीर्ष अदालत से सशर्त जमानत मिलने से खुद को बंधा महसूस करते हुए उन्होंने इस्तीफे का दांव चलाकर राजनीतिक जगत में एक हलचल पैदा कर दी। वहीं पार्टी में वरिष्ठता क्रम में निचले पायदान पर खड़ी आतिशी को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाकर केजरीवाल ने एक बार फिर से चौंकाया है। कयास लगे थे कि अन्य वरिष्ठ पार्टी नेता मुख्यमंत्री बन सकते हैं। वहीं उनकी पत्नी को भी मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार कहा जा रहा था। दरअसल, क्षेत्रीय दलों में एक परंपरा रही है कि किसी राजनीतिक या कानूनी संकट के चलते परिवार के ही किसी सदस्य को सत्ता की बागडोर सौंप दी जाती थी। ताकि स्थितियां सामान्य होने पर फिर मुख्यमंत्री की गद्दी आसानी से वापस ली जा सके। जैसे बिहार में चारा घोटाले में घिरने के बाद लालू यादव ने पत्नी राबड़ी देवी को सत्ता की बागडोर सौंपी थी। विगत के ऐसे प्रसंग भी हैं जब कानूनी बाध्यताओं के चलते पार्टी के किसी वरिष्ठ नेता को मुख्यमंत्री का पद दिया गया तो उसकी राजनीतिक महत्वाकांक्षा हिलोरे लेने लगी। विगत में बिहार और झारखंड में ऐसे प्रसंग सामने आए। बहरहाल, केजरीवाल ने जेल से बाहर आते ही अपने तरकश से जो तीर चले हैं, वे कुल मिलाकर निशाने पर लगते नजर आए हैं। हरियाणा व जम्मू कश्मीर चुनाव समेत अन्य राष्ट्रीय मुद्दों में उलझी भाजपा व कांग्रेस पर केजरीवाल ने मनोवैज्ञानिक दबाव तो बना दिया है। दिल्ली के विधानसभा चुनाव निर्धारित समय से कुछ महीने पहले महाराष्ट्र के साथ कराने की मांग करके आप ने दिल्ली में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है। लेकिन यदि केजरीवाल शराब घोटाले में नाम आने व गिरफ्तारी के बाद तुरंत इस्तीफा दे देते तो शायद उन्हें इसका ज्यादा लाभ मिलता, जैसे कि लालकृष्ण आडवाणी ने कतिपय राजनीतिक आरोप लगने के बाद इस्तीफा दे दिया था। बहरहाल, केजरीवाल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा सोची-समझी रणनीति के तहत ही दिया है, ताकि आगामी विधानसभा चुनाव को अपनी ईमानदारी के जनमत संग्रह के रूप में दर्शा सकें। उनका मकसद भाजपा सरकार द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार के आरोपों का मुकाबला करने तथा खुद को राजनीतिक प्रतिशोध के शिकार के रूप में दिखा जनता की सहानुभूति अर्जित करना भी है। निस्संदेह, जनता से ईमानदारी का प्रमाण पत्र हासिल करने की योजना उनकी दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा जान पड़ती है। वहीं तय समय से तीन माह पहले दिल्ली में विधानसभा चुनाव कराने की मांग करके उन्होंने जता दिया है कि आप चुनाव अभियान के लिये तैयार है। दरअसल, केजरीवाल वर्ष 2014 के इस्तीफे के दांव को दोहराना चाहते हैं, जिसके बाद 2015 में आम आदमी पार्टी को भारी जीत मिली थी। लेकिन इस बार की स्थितियां खासी चुनौतीपूर्ण व जोखिमभरी हैं। निस्संदेह, यह जुआ मुश्किल भी पैदा कर सकता है क्योंकि पिछले लोकसभा चुनाव में पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली थी। जिसे विपक्ष ने पार्टी की घटती लोकप्रियता के रूप में दर्शाया था। दरअसल,बुनियादी प्रशासनिक ढांचे की खामियां व भाजपा के लगातार हमलों ने आप को बचाव की मुद्रा में ला खड़ा कर दिया था। वहीं दूसरी ओर आप सरकार की कल्याणकारी योजनाएं अभी भी मतदाताओं को पसंद आ रही हैं। अब आने वाला वक्त बताएगा कि इस्तीफे का पैंतरा आप को राजनीतिक रूप से कितना रास आता है। वहीं दूसरी ओर कयास लगाए जा रहे हैं कि केजरीवाल के इस पैंतरे से तेज हुई राजनीतिक सरगर्मियों का असर पड़ोसी राज्य हरियाणा में होने वाले विधानसभा चुनाव पर भी दिख सकता है। चुनाव में इंडिया गठबंधन से मुक्त आप राज्य की सभी सीटों पर ताल ठोक रही है। जिसका कुछ लाभ भाजपा को भी हो सकता है। ये आने वाला वक्त बताएगा कि चुनौतियों से जूझती पार्टी अपना जनाधार किस हद तक मजबूत कर पाती है। वहीं दूसरी ओर जनता की अदालत में दिल्ली सरकार की फ्री पानी-बिजली व सरकारी बसों में महिलाओं की मुफ्त यात्रा कराने की नीति की भी परीक्षा होनी है।

चीन से आगे निकलता भारत

अर्थ के कई क्षेत्रों में आज भी पूरे विश्व में चीन का दबदबा कायम है जैसे चीन विनिर्माण के क्षेत्र में विश्व का केंद्र बना हुआ है। विशेष रूप से तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं (इमर्जिंग देशों) के शेयर बाजार के आकार के मामले में भी चीन का दबदबा लम्बे समय से कायम रहा है। परंतु, अब भारत उक्त दोनों ही क्षेत्रों, (विनिर्माण एवं शेयर बाजार), में चीन को कड़ी टक्कर देता दिखाई दे रहा है तथा हाल ही में तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं के शेयर बाजार सम्बंधी इंडेक्स में भारत ने चीन को पीछे छोड़ दिया है। दरअसल पूरे विश्व में संस्थागत निवेशक विभिन्न देशों, विशेष रूप से तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं, के शेयर बाजार में पूंजी निवेश करने के पूर्व वैश्विक स्तर पर इस संदर्भ में जारी किए जाने वाले कुछ महत्वपूर्ण इंडेक्स पर बहुत अधिक भरोसा करते हैं। अथवा, यह कहा जाय कि इन इंडेक्स के आधार पर अथवा इन इंडेक्स की बाजार में चाल पर ही वे इन देशों के शेयर बाजार में अपना निवेश करते हैं तो यह कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। इन संस्थागत निवेशकों में विभिन्न देशों के पेन्शन फंड, सोवरेन फंड, निवेश फंड आदि शामिल रहते हैं जिनके पास बहुत बड़ी मात्रा में पूंजी की उपलब्धता रहती है एवं वे अपनी आय बढ़ाने के उद्देश्य से तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं के शेयर बाजार में अपना निवेश करते हैं। इस संदर्भ में MSCI Emerging Market IMI (Investible Market Inde&) Inde& का नाम पूरे विश्व में बहुत विश्वास के साथ लिया जाता है। विश्व प्रसिद्ध निवेश कम्पनी मोर्गन स्टेनली ने अपने प्रतिवेदन में बताया है कि इस इंडेक्स में 24 तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं (इमर्जिंग देशों) की 3,355 कम्पनियों के शेयरों को शामिल किया गया है।

दरअसल पूरे विश्व में संस्थागत निवेशक विभिन्न देशों, विशेष रूप से तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं, के शेयर बाजार में पूंजी निवेश करने के पूर्व वैश्विक स्तर पर इस संदर्भ में जारी किए जाने वाले कुछ महत्वपूर्ण इंडेक्स पर बहुत अधिक भरोसा करते हैं।

पिछले 15 वर्षों से यह प्रचलन चल रहा है कि इमर्जिंग मार्केट इंडेक्स (IMI) में चीन की हिस्सेदारी सबसे अधिक रही है परंतु धीरे धीरे अब चीन की भागीदारी इस इंडेक्स में कम हो रही है एवं इस वर्ष अब भारत ने चीन को पीछे छोड़ दिया है। इस इंडेक्स में प्रतिशत में चीन की हिस्सेदारी लगातार कम हो रही है और भारत की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। इस इंडेक्स में भारत की हिस्सेदारी 6 प्रतिशत से बढ़ते हुए चीन से आगे निकल आई है और भारत की हिस्सेदारी अब 22.27 प्रतिशत से अधिक हो गई है एवं चीन की हिस्सेदारी कम होकर 21.58 रह गई है। यह इतिहास में पहली बार हुआ है और इसका आशय यह है कि जो निवेशकर्ता इस इंडेक्स के आधार पर अपना निवेश तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में करते हैं वे अब भारत की ओर अपना रूख करेंगे। दूसरे, पिछले कुछ वर्षों से विदेशी निवेशक भारत से निवेश बाहर निकालते रहे हैं क्योंकि उनको भारतीय शेयर मंहगे लगाने लगे थे। परंतु, अब यह विदेशी निवेशक भी भारत की ओर रूख करेंगे। ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है। भारत का वेट बढ़ने से इस प्रकार के निवेशक भी भारत में आएंगे ही और भारत में 400 से 450 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नया निवेश करेंगे।

एक अन्य MSCI वैश्विक सूचकांक में भी भारत की हिस्सेदारी बढ़कर 2 प्रतिशत हो गई है। परंतु, रूष्टढ्ढ इमर्जिंग मार्केट इननवेस्टिबल फड इंडेक्स में भारत की हिस्सेदारी 22 प्रतिशत से अधिक हो गई है। वैश्विक स्तर पर निवेश करने वाले बड़े फंड्ज का निवेश सम्बंधी आबंटन भी इसी हिस्सेदारी के आधार पर होने की सम्भावना है। इन्हीं कारणों के चलते अब आने वाले समय में भारत के शेयर बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा अपना निवेश बढ़ाए जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है।

वैसे भी चीन की अर्थव्यवस्था में अब विकास दर कम हो रही है क्योंकि पिछले कुछ समय से चीन लगातार कुछ आर्थिक समस्याओं का सामना कर रहा है। चीन की विदेश नीति में भी बहुत समस्याएं उभर रही हैं विशेष रूप से चीन के अपने लगभग समस्त पड़ौसी देशों के साथ राजनैतिक सम्बंध ठीक नहीं हैं। चीन के शेयर बाजार में देशी निवेशक ही अधिक मात्रा में भाग ले रहे थे और वे भी अब अपना पैसा शेयर बाजार से निकाल रहे हैं। इन समस्याओं के पूर्व रूष्टढ्ढ इमर्जिंग मार्केट इंडेक्स में चीन ओवर वेट था और भारत अंडर वेट था। परंतु, पिछले दो वर्षों के दौरान स्थिति में तेजी से परिवर्तन हुआ है। चीन की अर्थव्यवस्था में आई समस्याओं के चलते चीन का इस इंडेक्स में खराब प्रदर्शन रहा है, उससे चीन की हिस्सेदार इस इंडेक्स में कम हुई है। दूसरा, भारत अपने आप में विभिन्न आयामों वाला शेयर बाजार है क्योंकि यहां निवेशकों को सूचना प्रौद्योगिकी, ऊर्जा एवं गैस, अधोसंरचना, स्वास्थ्य, होटेल, बैंकिंग एवं वित्त आदि जैसे लगभग समस्त क्षेत्र मिलते हैं। इसके विपरीत ताईवान के शेयर बाजार में सेमीकंडक्टर क्षेत्र की कम्पनियों की 60 प्रतिशत से अधिक की भागीदारी है, इसी प्रकार, सऊदी अरब में तेल कम्पनियों की 90 प्रतिशत से अधिक की भागीदारी है। इस प्रकार ये देश पूर्णत: केवल एक अथवा दो क्षेत्रों पर ही निर्भर हैं जबकि भारत में विदेशी निवेशकों को कई क्षेत्रों में निवेश का मौका मिलता है। भारत एक बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। साथ ही, भारतीय अर्थव्यवस्था शीघ्र ही पांचवे स्थान से आगे बढ़कर तीसरे स्थान पर आने की तैयारी में है। भारत में सशक्त वित्तीय प्रणाली के साथ ही सशक्त प्राइमरी मार्केट भी है। भारत में स्टार्ट अप एवं नई कम्पनियों की संख्या भी बहुत तेजी से बढ़ रही है, इन स्टार्ट अप एवं नई कम्पनियों को भी तो वित्त की आवश्यकता है, जिनमें विदेशी निवेशक अपनी पूंजी का निवेश कर सकते हैं। इस प्रकार यह स्टार्ट अप एवं नई कम्पनियां भी निवेशकों को निवेश के लिए अतिरिक्त बेहतर विकल्प प्रदान कर रही हैं।

साथ ही, भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी का कम्पन भी स्पष्टत: दिखाई दे रहा हैं और भारत में सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 8 प्रतिशत प्रतिवर्ष की वृद्धि हो रही है। भारत में रोजगार के नए अवसर निर्मित करने के अतिरिक्त प्रयास किए जा रहे हैं इससे भारत में विभिन्न उत्पादों की मांग में और अधिक वृद्धि होगी तथा इससे विभिन्न कम्पनियों की लाभप्रदता में भी अधिक वृद्धि होगी और अंतत: इन कंपनियों के शेयरों में निवेश करने वाले विदेशी संस्थागत निवेशकों को भी भारत में निवेश करने में और अधिक लाभ दिखाई देगा। दूसरे, भारत के ग्रामीण इलाकों में रहने वाली 60 प्रतिशत जनसंख्या का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान केवल 18 प्रतिशत तक ही है, इसे बढ़ाए जाने के लगातार प्रयास केंद्र एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा किए जा रहे हैं। इन प्रयासों के चलते ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे नागरिकों की आय में भी वृद्धि दर्ज होगी। साथ ही, ग्रामीण इलाकों में निवासरत नागरिकों को उद्योग एवं सेवा के क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं ताकि ग्रामीण इलाकों एवं कृषि क्षेत्र पर जनसंख्या का दबाव कम हो। भारत की जनसंख्या की औसत आयु 27 वर्ष हैं, चीन की जनसंख्या की औसत आयु 40 वर्ष है और जापान की जनसंख्या की औसत आयु 53 वर्ष है। इस प्रकार भारत आज एक युवा देश है क्योंकि भारत में युवा जनसंख्या, चीन एवं जापान की तुलना में, अधिक है जो भारत के लिए, आर्थिक दृष्टि से, लाभ की स्थिति उत्पन्न करता है।।

भारतीय युवाओं को यदि रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध होने लगते हैं तो इससे भारत के सकल घरेलू उत्पाद में और अधिक तेज गति से वृद्धि सम्भव होगी। चीन में आज बेरोजगारी की दर जुलाई 2024 में बढ़कर 5.20 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो जून 2024 में 5 प्रतिशत थी। वर्ष 2002 से वर्ष 2024 तक चीन में बेरोजगारी की औसत दर 4.75 प्रतिशत रही है। हालांकि फरवरी 2020 में यह 6.20 प्रतिशत के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गई थी। अब पुन: धीरे धीरे चीन में बेरोजगारी की दर आगे बढ़ रही है। जबकि भारत में वर्ष 2023 में बेरोज़गारी की दर (15 वर्ष से अधिक आयु के नगरिको की) कम होकर 3.1 हो गई है जो हाल ही के समय में सबसे कम बेरोज़गारी की दर है। वर्ष 2022 में भारत में बेरोजगारी की दर 3.6 प्रतिशत थी एवं वर्ष 2021 में 4.2 प्रतिशत थी। इस प्रकार धीरे धीरे भारत में बेरोजगारी की दर में कमी आने लगी है। कुल मिलाकर अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में चीन की तुलना में भारत की स्थिति में लगातार सुधार दृष्टिगोचर है जिससे रूष्टढ्ढ इंडेक्स में भारत की स्थिति में भी लगातार सुधार दिखाई दे रहा है जो आगे आने वाले समय में भी जारी रहने की सम्भावना है। इस प्रकार, अब भारत, चीन को अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में धीरे धीरे पीछे छोड़ता जा रहा है।

- प्रहलाद सबनानी
सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि श्री शिवजी ने उसी अवसर पर श्री रामजी को देखा और उनके हृदय में बहुत भारी आनंद उत्पन्न हुआ। उन शोभा के समुद्र (श्री रामचंद्रजी) को शिवजी ने नेत्र भरकर देखा, परन्तु अवसर ठीक न जानकर परिचय नहीं किया॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

जय सच्चिदानंद जग पावन। अस कहि चलेउ मनोज नसावन॥
चले जात सिव सती समेता। पुनि पुनि पुलकत कृपानिकेता॥

जगत को पवित्र करने वाले सच्चिदानंद की जय हो, इस प्रकार कहकर कामदेव का नाश करने वाले श्री शिवजी चल पड़े। कृपानिधान शिवजी बार-बार आनंद से पुलकित होते हुए सतीजी के साथ चले जा रहे थे॥

सतीं सो दसा संभु कै देखी। उर उपजा संदेहु बिसेषी॥
संकरु जगतबंद्य जगदीसा। सुर नर मुनि सब नावत सीसा॥

सतीजी ने शंकरजी की वह दशा देखी तो उनके मन में बड़ा संदेह उत्पन्न हो गया। (वे मन ही मन कहने लगीं कि) शंकरजी की सारा जगत वंदना करता है, वे जगत के ईश्वर हैं, देवता, मनुष्य, मुनि सब उनके प्रति सिर नवाते हैं॥

तिन्ह नृपसुतहि कीन्ह परनामा। कहि सच्चिदानंद परधामा॥
भए मगन छबि तासु बिलोकी। अजहुँ प्रीति उर रहति न रोकी॥

उन्होंने एक राजपुत्र को सच्चिदानंद परधाम कहकर प्रणाम किया और उसकी शोभा देखकर वे इतने प्रेममग्न हो गए कि अब तक उनके हृदय में प्रीति रोकने से भी नहीं रुकती॥

(क्रमश:...)

कहां खो गईं पीड़ा समझने वाली भावनाएं

अपने देश में और कहीं-कहीं दुनिया में भी एक शब्द वाक्य यदा-कदा सुनने को मिलता है- भावनाएं आहत हो गईं, धार्मिक भावनाओं का अपमान कर दिया। कुछ स्थानीय भाषाओं में यह भी कह दिया कि हृदय वलूंदरे गए अर्थात हृदय पर गहरी चोट की गई। यह चोट भावों और भावनाओं की रहती है। कुछ भावनाएं ऐसी हैं जो केवल पूजा स्थानों या विशेष संप्रदाय के महापुरुषों से जुड़ी रहती हैं। अगर वही भावनाएं अनियंत्रित हो जाएं तो फिर न किसी का सिर काटने में संकोच होता है, न आग लगाने में, न दंगा करने में और न ही विदेशी शक्तियों के हाथ में खेलने में संकोच किया जाता है। मेरा साधारण और स्वाभाविक प्रश्न यह है कि यही संवेदना या आक्रोश की भावनाएं दया या विरोध की भावनाएं उस समय क्यों छिपी रहती हैं, सोई रहती हैं, जब मानवता के विरुद्ध बहुत बड़ा अपराध होता है। जब बच्चे जन्म लेते ही बिना इलाज के मौत के मुंह में चले जाते हैं और सरकारें केवल नवजात शिशुओं की मृत्यु के आंकड़े देकर ही अपने कर्त्तव्य की इतिश्री समझ लेती हैं। हिंदुस्तान जैसे देश में आज तक असंख्य बेटियां जन्म से पहले मां के गर्भ में ही क्रूरता से कत्ल कर दी गईं या नवजात बच्चियां कूड़े के ढेर पर फेंक दी गईं जहां बहुत बार कुत्तों ने उन्हें नोंच-नोंच कर खा लिया। उस समय वे भावनाएं न जाने किस गड्ढे में दबी रहती हैं जो भावनाएं किसी का सिर कटवा देती हैं, आग लगवा देती हैं, हत्याएं करने में भी कोई संकोच नहीं करतीं। इस समय सुरसा के मुंह की तरह जो भयावह संकट देश के सामने है, आकाश से बरस रहा है, कहीं भयानक बारिश के रूप में, कहीं बादल फटने के रूप में और जिसके परिणामस्वरूप लाखों लोगों की आंखें बरस रही हैं, हजारों लोग प्रतिवर्ष इसी बाढ़ और बादलों के कहर के कारण मौत के मुंह में चले जाते हैं, बेघर हो जाते हैं, उनके लिए आम जन से लेकर नेताओं तक की भावनाएं बिल्कुल शांत हो चुकी हैं।

आमजन तो बेचारा आमजन है। रोटी-रोजी के लिए संघर्ष करता हुआ कि जिंदगी एड़ियां रगड़-रगड़ कर जी लेता है, पर जो देश के बड़े बड़े नेता, शासक राजनीति के स्वामी हैं वे भी बाढ़ की समस्या को उतनी गंभीरता से नहीं ले रहे जितना उनको लेना चाहिए। कटु सत्य यह है कि दुनिया में बाढ़ से जितनी जन-धन की हानि होती है, उसका बीस प्रतिशत केवल भारत में है। हर वर्ष वर्षा होती है, आगे भी होती रहेगी, पर आज तक यह प्रबंध क्यों नहीं हो पाया कि जो क्षेत्र हर वर्ष बाढग्रस्त होते ही हैं, उन क्षेत्रों से जनता को हटाकर कहीं दूर बसा दिया जाए। यह प्रयास भी नहीं हुआ कि नदियों-दरियाओं के रास्ते में जो अवैध कब्जे और अवैध खनन के कारण बाढ़ की स्थिति बनती है, उसे ही नियंत्रित कर लिया जाए। श्री केदारनाथ धाम में 12 वर्ष पहले जो कुदरत का कोप आदमी को सहना पड़ा, उसके लिए भी यही कारण बताया गया है/था कि जिन क्षेत्रों में पानी को बहना है उसी जमीन पर कब्जा करके बड़े-बड़े भवन खड़े किए गए, जिसके कारण यह कोप अधिक भयानक हो गया। आसाम की बाढ़ कौन नहीं जानता। अभी मॉनसून पूर्व की वर्षा का ही आगमन होता है तो वहां बाढ़ शुरू हो जाती है। इस समय तेलंगाना, आंध्र, महाराष्ट्र, गुजरात, हिमाचल, उत्तराखंड जैसे बहुत से प्रांतों में वर्षा से बाढ़ बन चुके कुदरती कोप का भयानक रूप देखने को मिल रहा है। क्या यह सच नहीं कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अनेक लोग बाढ़ के कारण मौत के मुंह में जा चुके हैं। अभी कुछ दिन ऐसे समाचार आगे भी मिलते रहेंगे, पर प्रश्न फिर वही है कि एक साधारण से चित्र या शब्द या किसी की टिप्पणी से जो क्रोध, आक्रोश, हिंसा और बदले की भावना देश को जलाने के लिए भड़कृती है, वही भावना अपने देशवासियों को बचाने के लिए क्यों सामने नहीं आती? वर्षा हम नहीं रोक सकते, बादल कब फटेंगे नहीं जानते, भूस्खलन और पहाड़ों का गिरना प्रकृति के हाथ में है, पर वहां बसे अपने देशवासियों को सुरक्षित स्थान पर मुसीबत आने से पहले ही ले जाना, यह तो देश के नेताओं के हाथ में है। अपने-अपने धार्मिक स्थलों की विशालता और अपने बड़प्पन का गुणगान करने वाले न धार्मिक नेता, न राजनीति के स्वामी, न जाने क्यों मौन धारण रखते हैं? कहीं उत्तराखंड में बाढ़ में गाडियां बह गईं, कहीं भवन गिरने से लोग दब कर मर गए। गुजरात के 28 जिलों में इस वर्ष बाढ़ का भयानक कहर बरपा। दिल्ली में संसद के अंदर भी पानी पहुंच गया। राजस्थान और दिल्ली की बेसमेंट में पानी में कुछ लोग डूब गए। अभी हाल ही में दिल्ली में एक अंडरपाथ में कार डूबी, साथ ही दो जिंदगियां डूब गईं। न जाने कितना बचपन इसी प्राकृतिक आपदा के कारण जिंदगी से वंचित हो गया।

इसके लिए किसी को तड़पते नहीं देखा। केवल वही तड़पते हैं जिनके परिजन इस प्राकृतिक कोप का शिकार हो गए। एक नहीं अनेक ऐसे प्रसंग हैं, जहां मानव हृदय पीड़ित होना चाहिए। नेताओं की भावनाएं सेवा सहायता के लिए जन-जन तक राहत देने के लिए पहुंचनी चाहिए। और भी देखिए, हमारे देश के सुप्रीम कोर्ट ने जिस दिन यह निर्णय दे दिया कि लड़कियां देह व्यापार कर सकती हैं अर्थात अपना शरीर किसी वासना लोलुप की वासना पूरी करने के लिए देकर नोट कमा सकती हैं, उस दिन से भी वे सभी गूंगे बने हैं जो साधारण किसी एक कार्टून, किसी एक टिप्पणी या किसी देवी-देवता के चित्र के नाम पर लडने-मरने को तैयार हो जाते हैं। देश की बेटियां शरीर बेचकर नोट कमाएं, वह भी कानूनी मान्यता के साथ, किसी की भावनाएं न त्रस्त हैं, न एक भी शब्द उनके मुख से निकला है। इससे पहले जब लिव इन रिलेशन, पुरानी भाषा में यह कहिए तो महिलाओं को रखैल की तरह रखने का कानून जब बना या अवैध संबंधों को मान्यता दी गई, तब भी वे सब गूंगे बने रहे जिनसे आशा थी कि वे इन निर्णयों से तड़पेंगे और इन्हें रद करवाएंगे। एक मुस्लिम महिला को सुप्रीम कोर्ट ने गुजारा भत्ता दे दिया तो राजनीति और धर्म के ठेकेदार इतने तड़पे कि संसद में उस कानून को बदलना पड़ा, पर देश की बेटियां कानूनी छाया में देह व्यापार करें, न कोई तड़पा, न प्रदर्शन हुए, न कोई मशाल मार्च। कौन नहीं जानता कि बीस करोड़ लोग रोज भूखे सोते हैं। कौन नहीं जानता कि सडक़ों पर बच्चे जन्म लेते और वहीं आधे बूढ़े होकर मर जाते हैं। लाखों बच्चे लापता हैं।

-लक्ष्मी कांता चावला

राशिफल

भाद्रपद शुक्ल पक्ष : प्रतिपदा | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
शत्रुओं का उत्पात बना रहेगा। पैरों में चोट चपेट लग सकती है। प्रेम संतान की स्थिति बहुत अच्छी रहेगी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। मानसिक तनाव बना रहेगा। प्रेम में तू तू मैं मैं के संकेत हैं।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
मिथुन राशि की स्थिति स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम संतान की स्थिति पहले से बेहतर, व्यापार अच्छा चल रहा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। भुजा से लेकर के सिर तक की प्रॉब्लम संभव है। प्रेम संतान व्यापार मध्यम है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
निवेश करने से बचें। मुख रोग के शिकार हो सकते हैं। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम संतान मध्यम, व्यापार लगभग ठीक रहेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। ऊर्जा का उतार-चढ़ाव बना रहेगा। एक असमंजस की स्थिति बनी रहेगी।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
अनायास खर्च की स्थिति रहेगी। स्वास्थ्य भी मध्यम रहेगा। प्रेम संतान लगभग ठीक है। प्रेम, संतान ठीक है। व्यापार भी ठीक रहेगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। यात्रा में कष्ट संभव है। मान सशंकित रहेगा। प्रेम संतान भी मध्यम रहेगा। बच्चों की सेहत पर ध्यान दें।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
कोर्ट कचहरी से बचें। स्वस्थ मध्यम है। प्रेम संतान व्यापार लगभग ठीक है। लाल वस्तु पास रखें।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
अपमानित होने का भय रहेगा। यात्रा में कष्ट संभव है। कार्यों की विघ्न बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य, प्रेम व्यापार मध्यम।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य मध्यम।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। जीवनसाथी का भी स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है, और दोनों का साथ भी प्रभावित दिख रहा है।

सेक्टर-81 में चला 'बाबा का बुल्डोजर', अवैध अतिक्रमण हटाया

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जा रही है। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डा. लोकेश एम के निर्देशों के बाद नोएडा के वर्क सर्किल-7 में 'बाबा के बुल्डोजर' ने बड़े स्तर पर किए गए अतिक्रमण को हटाया।

नोएडा प्राधिकरण के अतिक्रमण हटाओ दस्ते ने नोएडा के सेक्टर-81 स्थित भूड़ा गांव में अतिक्रमण हटाया। यहां भू-माफ़ियाओं द्वारा प्राधिकरण की अधिसूचित जमीन पर अवैध तरीके से दीवार बनाकर अतिक्रमण किया गया था। नोएडा के सेक्टर-81 के सी-44 ब्लॉक-सी में 'बाबा के बुल्डोजर' ने लगभग 3200 एस्क्वायर मीटर जमीन पर किए गए अवैध अतिक्रमण को तोड़ डाला। नोएडा प्राधिकरण की अधिसूचित भूमि पर भू-माफ़ियाओं ने दीवार व कमरे बनाकर नोएडा की बेशकीमती जमीन पर अवैध कब्ज कर रखा था।

प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि नोएडा प्राधिकरण ने सेक्टर-81 में अवैध अतिक्रमण से मुक्त कराई जमीन का अधिग्रहण विकास योजनाओं के लिए किया था, लेकिन इलाके में सक्रिय कुछ भू-माफियाओं ने इस पर अवैध कब्जा कर रखा था। अवैध कब्जे से मुक्त कराई गई जमीन की बाजार में कीमत करोड़ों रूपये बताई जाती है।

बिल्डर के खिलाफ मुखर हुआ भाकियू (बलराज)

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पैरामाउंट गोल्फ फोरेस्ट मार्केटिंग आफिस गेट पर भारतीय किसान यूनियन (बलराज) का धरना आज भी जारी रहा। सोसायटी निवासियों ने मंगलवार की रात संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी को सूचना दी कि पैरामाउंट बिल्डर और यूपी एस आई डीसी के आर एम अनिल कुमार ने आपस मै सांठगांठ कर अपने तीन चार दलालों को चंद कागज के टुकड़ों का लालच देकर आर एम अनिल कुमार ने चुपचाप तरीके से अपने आफिस बुलाया और यह दर्शा दिया कि मिटिंग हुई और सोसायटी निवासियों की सभी मांगें मान ली गई है।

सूचना पाकर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी बुधवार को कार्यकर्ताओ के साथ धरनास्थल पर पहुँचें। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने कहा कि चंद कागज के टुकड़ों पर बिकने वाले लोग बिल्डर के द्वारा किये गए अवैध निर्माण और किये गए भ्रष्टाचार से बचा नही पाएगें बलराज भाटी ने आगे कहा कि यूपी एस आई डीसी के आर एम अनिल कुमार की इस तुच्छ हरकत से यह तो पता चल ही गया है कि आर एम अनिल कुमार की मिलीभगत से ही पैरामाउंट बिल्डर ने सोसायटी के अन्दर अवैध निर्माण कार्य किये मानक के अनुसार जहां 720 दुकान और स्टूडियो बनने चाहिए थे वहाँ अवैध रूप से लगभग 1600 दुकान और स्टूडियो बनाये गए ये अरबों रुपए का घोटाला आर एम अनिल कुमार की मिलीभगत से हुआ है आर एम अनिल कुमार उत्तर प्रदेश भाजपा सरकार के राज्य मन्त्री का भाई है राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने कहा कि मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ जी उत्तर प्रदेश मै भ्रष्टाचार को समाप्त करने की बात करतें है और उनके मन्त्री और विधायक भ्रष्टाचार को चरम सीमा तक ले जाना चहाते है ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों के कारण सरकार बदनाम होती है और जनता का विश्वास सरकार से उठ जाता है।

बलराज भाटी ने कहा कि 25 सितम्बर को धरनास्थल पर विशाल महापंचायत होगी और सबसे पहले अब आर एम अनिल कुमार के निलम्बित की मांग उठाई जायेगी और सरकार से उनकी सम्पति की जांच-पड़ताल सीबीआई द्वारा कराने की मांग उठाई जायेगी। सोसाइटी निवासी आर पी सिंह ने कहा तब तक आरएम यूपीएसआइडीसी, एडीएम फाइनेंस ओर बिल्डर अगर समस्याओं का निस्तारण करना हे ओर कोई वार्ता करनी हे वो किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी व सभी निवासियों के बीच हो।

और सोसाइटी निवासी किशोर चतुर्वेदी ने कहा की हमारी समस्याओं को हल कराने के लिए हमे बलराज भाटी का सहारा लेना पड़ा जब तक हमारी सभी समस्याओं का निस्तारण नहीं होगा तब तक हमारा धरना सुचारू रूप से जारी रहेगा।

सोसाइटी निवासी जितेंद्र गंगवार ने कहा कि बिल्डर और आर एम की मिली भगत से हमारे सोसाइटी के चंद दो-तीन लोगों को मोहरा बनाकर धरने को तोड़ने का प्रयास किया गया लेकिन हमारा धरना और मजबूती से चलता रहेगा।

इस अवसर पर यूथ अध्यक्ष रामकुमार नागर, दिनेश राठौर, भगवंत सिंह, डॉ नवीन भाटी, आशू चौहान, सागर लंका, विनोद प्रताप, पंकज सिसोदिया, एस बी मौर्य, सुनील, हरवीर चौधरी, दर्पण रहेजा, अरुण शर्मा, एके उपाध्याय, जीसी उपाध्याय, केपी सिंह, जितेंद्र सोलंकी, बद्री प्रसाद, महेश शर्मा, आशा जोशी, रश्मि माथुर और महिला मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा शिवाल, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य बाबा रंगीलाल, पश्चिम अध्यक्ष संदीप भाटी, प्रदेश महासचिव संदीप नागर, प्रदेश उपाध्यक्ष अशीष नागर, खालिद मसूरी, फरमान मसूरी, दिलशाद, शकीना, राहुल भाटी जिला उपाध्यक्ष, योगेश वेश्नोव, मनीष दिल्ली प्रदेष अध्यक्ष, संजीव भाटी संगठन मंत्री, सोबिंदर भाटी तहसील अध्यक्ष आदि रहे।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उच्च प्राथमिक विद्यालय तुगलपुर, ब्लॉक दनकौर में वीरांगना रानी लक्ष्मी बाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण का शुभारंभ मंडल अध्यक्ष मेघराज भाटी एवं प्रधानाध्यपक रामकिशन शर्मा ने फीता काटकर किया गया।

शुभारंभ के इस अवसर पर प्रवीण शर्मा, जिला अध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ गोतमबुद्ध नगर श्रीमति वंदना पांडे श्रीमति, सुमन लता पटेल, श्रीमति मनीषा रानी उपस्थित हुए। सभी ने बालिकाओं को अच्छी प्रकार से ट्रेनिंग लेने के लिए प्रेरित किया और आज के समय में आत्मरक्षा प्रशिक्षण सभी बालिकाओं के लिए उनके जीवन में ट्रेनिंग की महत्व पूर्णता पर विचार रखते हुए उन्हें आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। विद्यालय में 24 दिवसीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण श्रीमती गीता भाटी द्वारा प्रारम्भ किया गया है।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर सेवा पखवाड़े का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के नेता रवि पंडित ने प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर लोगों को बधाई देते हुए कहा कि सभी पार्टी कार्यकर्ता सेवा पखवाड़ा के कार्यक्रम को सफल बनाएं उन्होंने कहा कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन था और पूरे एक सप्ताह तक भाजपा ने प्रधानमंत्री के जन्मदिन को सेवा पखवाड़ा के रूप में मना रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश का मान सम्मान बढ़ाने के साथ-साथ देश को आर्थिक मजबूती देने का काम किया है उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एवं भाजपा की केंद्र सरकार ने कई ऐतिहासिक को फैसले लिए हैं जो इतिहास के पन्नों में दर्ज होंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष जनता को गुमराह करने का काम कर रहा है।

किसान एकता संघ ने एनपीसीएल पर डाला डेरा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। डूब क्षेत्र में विद्युत कनेक्शन एवं किसानों के ऊपर फर्जी मुकदमे के विरोध में आज एनपीसीएल दफ्तर पर किसान एकता संघ ने डेरा डाल दिया। सुबह 10.00 बजे से ही किसानों का आना शुरू हो गया था। बताया जाता है कि किसान एकता संघ ने गत 10 दिन पूर्व ही बेनिफिशियल के खिलाफ धरना प्रदर्शन का ऐलान कर दिया था।

आज सुबह से ट्रैक्टरों में सवार होकर लोग तुगलपुर की ओर कूच कर गए विशाल धरना प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस की चाक चौबंद सुरक्षा से व्यवस्था की गई है। किसान एकता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोरन प्रधान ने कहा है कि न्याय मिलने तक एचपीसीएल के खिलाफ आंदोलन जारी रहेगा। वहीं गौतमबुद्ध नगर के किसान एकता संघ के जिला प्रभारी प्रिंस शर्मा एवं प्रदेश उपाध्यक्ष शेरू चौधरी ने अपने सैकड़ो समर्थकों के साथ एनपीसीएल दफ्तर में पहुंचे। इस अवसर पर काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

किसान एकता संघ का कहना है कि बिजली चोरी के नाम पर किसानों को फर्जी ढंग से फंसा कर उसे धन उगाही का काम एनपीसीएल के लोग करते हैं। वहीं दो खेत में विद्युत कनेक्शन न होने से लाखों लोग रोशनी से मरहूम है। किसान एकता सॉन्घ में कहा है कि इन दोनों मामलों के निस्तारण तक संघ का यह आंदोलन जारी रहेगा। समाचार लिखे जाने तक किसान एकता संघ का धरना चल रहा था।

किसान सभा की हुई बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान परिषद, किसान सभा और जय जवान जय किसान मोर्चा तीनों संगठनों के बीच कल बैठक हुई। बैठक में तीनों संगठनों द्वारा एनटीपीसी दादरी से जुड़े मुद्दों के संबंध में गठित कमेटी की रिपोर्ट न प्रकाशित किए जाने एवं नोएडा विकास प्राधिकरण और ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के संबंध में उच्च स्तरीय कमेटी द्वारा निर्णय की रिपोर्ट को किसानों को न दिए जाने से किसानों में काफी आक्रोश उत्पन्न हुआ, जिससे निराकरण के लिए दोनों ही मुद्दों के केंद्र बिंदु जिलाधिकारी, गौतम बुद्ध नगर के कार्यालय, कलेक्ट्रेट गौतमबुद्धनगर पर 14.10.2024 से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया जाएगा। धरना प्रदर्शन को तब तक जारी रखने का प्रस्ताव पास किया, जब तक दोनो ही मुख्य मुद्दे, एनटीपीसी के मुद्दों की रिपोर्ट का निर्णय होना एवं उच्च स्तरीय कमेटी की रिपोर्ट को किसानों को सौंपा न जाए। आहूत बैठक में तीनों ही संगठनों के मुख्य लोग सुखबीर खलीफा डॉ रुपेश वर्मा जगबीर नंबरदार उदल आर्य वीर सिंह नागर, गवरी मुखिया, संदीप, प्रेमपाल चौहान वीरेंद्र चौहान सचिन अवाना नीरज गुर्जर गबरू मुखिया आदि लोग मौजूद रहे।

कालातीत आरडब्ल्यूए अध्यक्ष की लापरवाही से सेक्टर में महामारी फैलने की आशंका

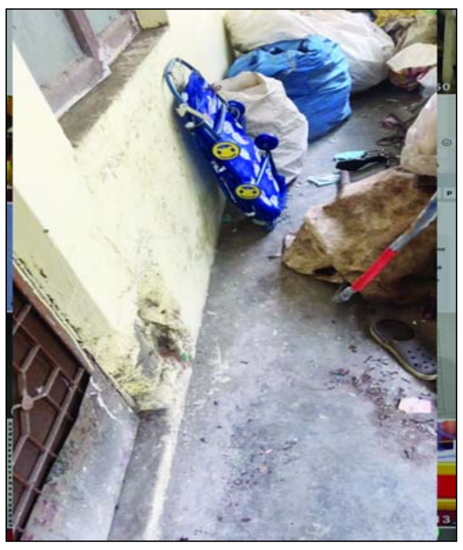

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा सेक्टर-34 के ब्लाक बी-9 उदयगिरि-2 में बी-9 आरडब्ल्यूए के कलातीत अध्यक्ष देवन्द्र वत्स की लापरवाही और निष्क्रियता का लाभ यहाँ के सफाई कर्मी उठा रहे है। उनके द्वरा यहाँ के भूतल स्थित बंद पडे फ्लैट में सोसाइटी का कूड़ा कचरा भरवाकर उसको डम्पिंग फ्लैट बना दिया है।

इसकी शिकायत कई बार सोसाइटी के निवासी कुँवर बिलाल बर्नी ने की है, । लेकिन सुपरवाइजर आज-कल का बहाना बना के टाल देता है।

कालातीत अध्यक्ष देवेंद्र वत्स की लापरवाही और निष्क्रियता के कारण यहाँ के निवासियों को डेंगू, मलेरिया जैसी गंभीर जनलेवा बीमारियों का लगातार डर बना हुआ है । लोगों में कभी भी यहां महामारी फैलने की आशंका सता रही है पर कोई समाधान नहीं हो रहा है।

जन-जागरण अभियान के तहत सफीपुर गांव में हुई किसान एकता संघ की बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। किसान एकता संघ की संघ बैठक सफीपुर गांव में अमर सिंह सरपंच के निवास पर राष्ट्रीय अध्यक्ष सोरन प्रधान के सानिध्य में संपन्न हुई बैठक की अध्यक्ष बेगराज प्रधान ने की व संचालन अरविंद सेक्रेटरी ने किया संगठन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी रमेश कसाना ने बताया 19 सितंबर को एनपीसीएल कार्यालय तुगलपुर ग्रेटर नोएडा में होने वाली महापंचायत को सफल बनाने के लिए पिछले 15 दिन से संगठन के कार्यकर्ता जन जागरण अभियान तहत गांव-गांव जाकर लोगों से ज्यादा से ज्यादा पंचायत में संख्या में पहुंचने की अपील कर रहे हैं।

ग्रामीणों द्वारा पंचायत में पहुंचने का पूर्ण आश्वासन संगठन के पदाधिकारियों को दिया जा रहा है। इस मौके पर सोरन प्रधान, देशराज नागर, श्री कृष्ण बैंसला, रमेश कसाना, अखिलेश प्रधान,वनीष प्रधान, विक्रम नागर, उम्मेद एडवोकेट, जगदीश शर्मा, सुमित एडवोकेट, रवि नागर, जयप्रकाश नागर, सुभाष भाटी, सुरेश नंबरदार, परवेज खान, सललन, दुर्गेश शर्मा सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

जरूरतमंदों को कराया निःशुल्क भोजन

नोएडा (चेतना मंच)। जरूरतमंद लोगों की सेवा में रात दिन लगी दीदी की रसोई ट्रस्ट ने आज ट्रस्ट की अध्यक्ष रितु सिन्हा व कोषाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा के नेतृत्व में सेक्टर-8, नोएडा बांस-बल्ली मार्केट पर गरीब जरूरतमंद लोगों को निशुल्क भोजन का वितरण किया। इस अवसर पर दीदी की रसोई ट्रस्ट की अध्यक्ष व समाजसेवीका रितु सिन्हा, ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष व सामाजिक कार्यकर्ता गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि हमारी संस्था लगातार गरीब जरूरतमंद लोगों की सेवा में लगी रहती है और संस्था की ओर से अलग-अलग स्थानों पर प्रतिदिन गरीब जरूरतमंद लोगों, बच्चों को भोजन का वितरण किया जाता है।

तीन लोगों ने हड़प लिए कमेटी के 2 करोड़ 16 लाख

पैसा मांगने पर दी जान से मारने की धमकी, एसएसपी से की गुहार

नोएडा (चेतना मंच)। सूरजपुर थाना क्षेत्र केलक्ष्मण लखनावली तथा सूरजपुर निवासी तीन लोगों पर कमेटी के जमा 2 करोड़ 16 लाख 66 हजार 658 रुपए हड़पने का मामला प्रकाश में आया है बुलंदशहर के ग्राम महमूदपुर थाना शिकारपुर निवासी केशव कुमार पुत्र जगदीश सिंह ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलंदशहर को इस बाबत शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने तथा उसकी रकम वापस लाने की गुहार की है। एसएसपी से की शिकायत में केशव कुमार ने बताया कि वह बुलंदशहर में शोभा डेवलपर्स फर्म का मालिक है तथा इसके जरिए खेती-बाड़ी का कार्य करता है। इसी सिलसिले में सूरजपुर निवासी सोनू फागना और मन्नत फागना पुत्र राजवीर सिंह फागना निवासी ग्राम लखनावली थाना सूरजपुर ग्रेटर नोएडा से उसकी जान पहचान हुई तथा उसका गांव में आना जाना शुरू हो गया। अप्रैल 2022 में सोनू फागना व कुंज बिहारी मिश्रा निवासी सूरजपुर तथा जितेंद्र निवासी लखनावली थाना सूरजपुर ने उसे 2 करोड़ 16 लाख की कमेटी का सदस्य बनाने का ऑफर दिया तथा यह कहा कि यह कमेटी 26 माह की होगी तथा अंतिम किस्त को जोड़कर 3 करोड रुपए मिलेगा।

हड़ताली कर्मचारियों के समर्थन में सीटू ने किया प्रदर्शन

नोएडा (चेतना मंच)। मैसर्स-सैमसंग इंडिया श्री पेटंबदूर तमिलनाडु प्लांट के आंदोलनरत कर्मचारियों का कंपनी प्रबंधकों और पुलिस प्रशासन द्वारा किए जा रहे दमन शोषण उत्पीड़न के खिलाफ सीटू ने पूरे देश में मजदूरों से अपने-अपने संस्थानों और प्रशासनिक कार्यालय पर 17 व 18 सितंबर को विरोध प्रदर्शन करने का आह्वान किया था। उक्त आह्वान के तहत आज भी सीटू कार्यकर्ता ने कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन कर सैमसंग तमिलनाडु के हड़ताली कर्मचारियों के साथ एक एकजुटता व्यक्त किया और तमिलनाडु सरकार से उक्त मामले में तुरंत हस्तक्षेप कर गिरफ्तार किए गए सीटू नेता व कर्मचारियों को तुरंत रिहा कर उनकी मांगों/ समस्याओं का समाधान करने की अपील किया।

फेस-2 पर प्रदर्शन को संबोधित करते हुए सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि सैमसंग कंपनी के प्रबंधक श्रम कानूनों की धज्जियां उड़ाकर संस्थानों को चला रहे हैं यदि मजदूर संगठित होकर अपने हक अधिकारों की मांग करते है तो सरकार और प्रशासन को अपने प्रभाव में लेकर मजदूरों का दामन शोषण व उत्पीड़न किया जाता है। ऐसा ही नोएडा प्लांट के मजदूरों के साथ भी किया गया और आज भी नोएडा प्लांट को श्रम कानूनों की धज्जियां उड़ाकर चलाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यदि तमिलनाडु सैमसंग प्लांट के कर्मचारियों की मांगों/ समस्याओं का समाधान शीघ्र नहीं किया गया तो सीटू कार्यकर्ता फेस-2, नोएडा प्लांट का 27 सितंबर को घेराव कर विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने बताया कि 25 सितंबर को बैलोसिस कंपनी सेक्टर- 67 पर काम से निकाले गए श्रमिकों को कार्य पर भिजवाने की मांग पर प्रदर्शन किया जाएगा। तथा सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ और मजदूर विरोधी लेबर कोड़ों को वापस लेने, न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी एवं विभिन्न संस्थानों में मजदूरों की चल रही श्रम समस्याओं के समाधान सहित कई मांगों को लेकर 5 अक्टूबर 2024 को जिलाधिकारी कार्यालय सूरजपुर ग्रेटर नोएडा पर विशाल प्रदर्शन कर केंद्र/ प्रदेश सरकार को संबोधित ज्ञापन दिया जाएगा।

सीटू जिला महासचिव रामसागर, सीटू नेता मुकेश कुमार राघव, सुनील पंडित, रामस्वारथ, विकास कुमार, हुकम सिंह, अंकुश, भूपेंद्र सिंह आदि ने जनपद के मजदूरों से उक्त होने वाले विरोध प्रदर्शन के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील किया।

पूर्वोत्तर रेलवे

ऑनलाइन ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **उप मुख्य यॉंत्रिक इंजीनियर/रिपेयर,** वास्ते मुख्य कारखाना प्रबन्धक, यॉंत्रिक कारखाना गोरखपुर द्वारा नीचे लिखे कार्य के लिए आनलाईन (ई-टेंडरिंग) के माध्यम से एकल ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं :-

क्रम सं. : 1, **ई-निविदा सूचना सं. एवं निविदा कार्य का विवरण : टेण्डर नं.-"26-जीकेपी-एमडब्ल्यूएस-2024-25"** "काम्प्रीहेन्सिव एएमसी ऑफ सीएनसी ऐक्सल टर्निंग लेथ माडल नं. स्पिनर-25 (मेक-असकर माइक्रान) फॉर 03 इयर्स (36 मन्थ्स) ऑफ व्हील शॉप एट जीकेपीएस, मात्रा-01 नं.", **अनुमानित लागत :** रु. 92,74,800.00, **धरोहर राशि :** रु. 1,85,500.00, **निविदा समापन की तिथि एवं अवधि :** 11.00 बजे 14.10.2024, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** रु. शून्य, **संविदा की अवधि :** 36 माह।

उपरोक्त ई-निविदाओं का पूर्ण विवरण एवं निविदा में भाग लेने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट संख्या http://www.ireps.gov.in पर देखें।

उप मुख्य यांत्रिक इंजी./रिपेयर,
मुजाधि/यांत्रिक-61 यांत्रिक कारखाना, पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

मोतिसन्स ज्वैलर्स लि. का बोर्ड 19 सितंबर को स्टॉक स्प्लिट पर विचार करेगा

मुंबई , एजेंसी। मोतिसन्स ज्वैलर्स लिमिटेड गहनों के उद्योग में एक अग्रणी है, ने घोषणा की है कि कंपनी का बोर्ड 19 सितंबर, 2024 को कंपनी के इक्विटी शेयरों के स्प्लिट के प्रस्ताव पर विचार करेगा, कंपनी के मेमोरंडम ऑफ एसोसिएशन के पूंजी खंड में परिवर्तन उपर्युक्त निर्णय के बाद और उपर्युक्त मदों के लिए सदस्यों की स्वीकृति मांगेंगी। हाल ही में, बोर्ड ने कंपनी के वित्तीय संसाधनों को बढ़ाने के लिए प्रस्ताव को मंजूरी दी है, जो कंपनी के शेयरधारकों की स्वीकृति सहित आवश्यक सभी नियामक / सांख्यिकीय अनुमोदनों के अधीन, अधिमान आधार पर पूरी तरह से कन्वर्टेबल वारंट जारी करके किया जाएगा। इस मुद्दे में एफआईआई/एफपीआई निवेशकों जैसे नॉर्थ स्टार अपॉर्चुनिटीज फंड वीसीसी-बुल वैल्यू इंकॉर्पोरेटेड वीसीसी सब-फंड, एमिनेंस ग्लोबल फंड पीसीसी-यूबिलिया कैपिटल पार्टनर्स फंड वन और नेक्सपैक्ट लिमिटेड की भागीदारी होगी, जिन्हें प्रस्तावित सभी आवंटियों में नामित किया गया है। इससे पहले, कंपनी ने 30 जून 2024 को समाप्त तिमाही के लिए अपनी कमाई की रिपोर्ट दी थी। कंपनी ने अपने परिचालन राजस्व को 88.71 करोड़ रुपये दर्ज किया। परिचालन लाभ 10.71 करोड़ रुपये रहा। पीएटी को 6.33 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। प्रति शेयर ईपीएस 0.64 रुपये रहा। मोतिसन्स ज्वैलर्स लिमिटेड गहनों के रिटेल उद्योग में एक अग्रणी है, जिसका इतिहास दो दशकों से अधिक समय तक का है। यह सोना, हीरा, कुंदन और अन्य कीमती और अर्द्ध-कीमती पत्थरों की विविध रेंज के गहनों की बिक्री में अग्रणी है। इसके अलावा, कंपनी मोती, चांदी, प्लैटिनम और अन्य धातुओं के साथ-साथ सोना और चांदी के सिक्के, बर्तन और अन्य कलाकृतियों जैसे विभिन्न उत्पादों की पेशकश करती है। लगभग 25 वर्षों के सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड के साथ, मोतिसन्स ज्वैलर्स ने महत्वपूर्ण वृद्धि कि है और अपने ब्रांड, पार्टीवियर, ज्वेलमोतिसन्स को दृढ़ता से स्थापित किया है। मोतिसन्स ज्वैलर्स की एक प्रमुख ताकत इसके कुशल गहना डिजाइनरों द्वारा बनाए गए डिजाइनों की विविधता में निहित है, जो नवीनतम ग्राहक पसंद और वरीयताओं को पूरा करने के लिए लगातार अद्वितीय और विशेष डिजाइन विकसित करते हैं।

डायसन ने फेस्टिवल सीज़न से पहले

नए प्रोडक्ट्स की घोषणा की

मुंबई , एजेंसी। भारत में त्योहारी सीज़न आने ही वाला है और इससे पहले डायसन ने ब्यूटी, ऑडियो और होम कैटेगरी में चार नए प्रोडक्ट्स पेश किए हैं। इंडियन मार्केट में हिस्सेदारी बढ़ाने और विस्तार करने के लिए डायसन ने हाई-परफॉर्मंस टेक्नोलॉजी को भारत में पेश किया है, जो आपकी रोजमर्रा की ज़रूरतों को पूरा करेगी। डायसन के यह प्रोडक्ट्स कंपनी की योजना के अनुसार सिलेसिलेवार सामने आएंगे। नए लाइनअप में दो एडवांस हेयर स्टाइलिंग टूल शामिल हैं - डायसन एयररैप आइडी मल्टी-स्टाइलर और ड्रायर, डायसन सुपरसोनिक नूरल हेयर ड्रायर, डायसन का पहला ऑडियो-ओनली प्रोडक्ट - ऑनट्रैक हेडफ़ोन और कंपनी का पहला डेडिकेटेड वेट क्लीनर - डायसन वॉशजी1इ वेट फ़्लोर क्लीनर।

बहुआयामी स्टाइलिंग के लिए एक क्रांतिकारी हेयर केयर प्रोडक्टः डायसन ने आज दो पायोनियरिंग ब्यूटी प्रोडक्ट पेश किए हैं। डायसन एयररैप आइडी मल्टी-स्टाइलर और ड्रायर, डायसन का पहला कनेक्टेड ब्यूटी प्रोडक्ट है। खास बात यह है कि इस ड्रायर की हीट से आपकी त्वचा को कोई नुकसान भी नहीं होगा। ब्लूटूथ0 तकनीक से लैस यह कस्टमाइज्ड स्टाइलिंग अनुभव प्रदान करता है। यूजर मायडायसनइ ऐप पर अपने बालों की प्रोफ़ाइल को पर्सनलाइज स्टाइल दे सकते हैं। एक ही टच से बड़ी आसानी से कर्ल बना सकते हैं। इसके अलावा डायसन ने डायसन सुपरसोनिक

अमेरिकी कंपनी ने सुप्रीम कोर्ट में आईआरपी पर लगाया बड़ा आरोप, कहा- बकाएदारों की सूची से हमारा नाम हटाया

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी ऋणदाता ग्लास ट्रस्ट ने मंगलवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि एड-टेक कंपनी बायजू के खिलाफ दिवाला कार्यवाही से निपटने वाले अंतरिम समाधान पेशेवर (आईआरपी) ने उसे गलत तरीके से ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) से हटा दिया।

अमेरिकी कंपनी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ के समक्ष ये दलीलें दीं। पीठ ने इस बेहद विवादित मामले की सुनवाई शुरू की।

सिब्बल ने कहा, मैं गारंटर हूं, जिसकी कंपनी (बायजू) में 12,000 करोड़ रुपये की हिस्सेदारी है। मेरी हिस्सेदारी 99.41 प्रतिशत है और आईआरपी ने इसे घटाकर शून्य कर दिया। उन्होंने कहा कि जिनके पास 0.59 प्रतिशत हिस्सेदारी थी, अब उनके पास 100 प्रतिशत हिस्सेदारी है। उन्होंने कहा, मैं नहीं चाहता कि आईआरपी आगे बढ़े।

अमेरिकी कंपनी ने कहा है कि नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) ने इस आधार पर कि याचिकाएं शीर्ष अदालत में लंबित हैं, आईआरपी पंकज श्रीवास्तव के खिलाफ उसकी नई याचिका पर कोई आदेश पारित करने से इनकार कर दिया। सिब्बल ने सीओसी से जुड़ी

कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की।

इसके बाद पीठ ने अमेरिकी कंपनी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान से मुख्य मामले में दलीलें शुरू करने को कहा और बुधवार को सुनवाई फिर से शुरू करने को कहा। पीठ ने 11 सितंबर को कहा था कि वह एनसीएलएटी के फैसले के खिलाफ अमेरिकी कंपनी की अपील पर 17 सितंबर को सुनवाई करेगी। उससे पहले एनसीएलएटी ने बायजू के खिलाफ दिवालियेपन की कार्यवाही पर रोक लगा दी थी और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ 158.9 करोड़ रुपये के बकाये के निपटान को मंजूरी दे दी थी।

इससे पहले 22 अगस्त को पीठ ने यह सुनिश्चित करने के लिए अंतरिम आदेश पारित करने से इनकार कर दिया था कि संकटग्रस्त एड-टेक फर्म के खिलाफ दिवालियेपन की कार्यवाही के सिलसिले में ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) कोई बैठक नहीं करेगी।

पीठ ने कहा था कि इस बीच जो भी घटनाक्रम घटित हो सकते हैं, उन्हें नकारा जा सकता है, यदि उसे लगता है कि अपीलीय दिवाला न्यायाधिकरण एनसीएलएटी के फैसले के खिलाफ अमेरिका स्थित ऋणदाता की अपील में कोई दम नहीं है।

इस याचिका का उल्लेख इससे पहले 20 अगस्त को बायजू और बीसीसीआई द्वारा भी किया गया था और तब शीर्ष अदालत ने एड-टेक फर्म के खिलाफ दिवाला कार्यवाही में ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) गठित करने से दिवाला समाधान पेशेवर (आईआरपी) को रोकने के लिए अंतरिम आदेश पारित करने से इनकार कर दिया था।

बायजू को बड़ा झटका देते हुए शीर्ष अदालत ने 14 अगस्त को एनसीएलएटी के उस फैसले पर रोक लगा दी थी जिसमें एड-टेक प्रमुख के खिलाफ दिवाला कार्यवाही को रद्द कर दिया गया था और भारतीय क्रिकेट बोर्ड के साथ 158.9 करोड़ रुपये के बकाया भुगतान को मंजूरी दे दी गई थी। एनसीएलएटी का 2 अगस्त का फैसला बायजू के लिए बड़ी राहत लेकर आया था, क्योंकि इससे इसके संस्थापक बायजू रवींद्रन को नियंत्रण वापस मिल गया था। शीर्ष अदालत ने हालांकि प्रथम दृष्टया एनसीएलएटी के फैसले को अविवेकपूर्ण करार दिया था। अदालत ने दिवाला अपीलीय न्यायाधिकरण के फैसले के खिलाफ एड-टेक फर्म के अमेरिकी ऋणदाता की अपील पर बायजू और अन्य को नोटिस जारी करते हुए इसके संचालन पर रोक लगा दी थी। यह मामला बीसीसीआई के साथ प्रायोजन सौदे से संबंधित 158.9 करोड़ रुपये के भुगतान में बायजू के चूकने से उपजा था। शीर्ष अदालत ने बीसीसीआई को निर्देश दिया था कि वह बायजू से समझौते के बाद प्राप्त 158 करोड़ रुपये की राशि को अगले आदेश तक एक अलग एस्क्रो खाते में रखे।

शीला कृष्णास्वामी ने दिए पीसीओएस को प्राकृतिक रूप से नियंत्रित रखने के टिप्स

मुंबई , एजेंसी। पॉलिसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल सितंबर को पीसीओएस जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। भारत में बड़ी संख्या में महिलाएं इस समस्या से जूझ रही हैं। पीसीओएस के लक्षणों में अनियमित माहवारी, पुरुष हॉर्मोन का बढ़ना, ओवरी में सिस्ट, वजन बढ़ना, एक्ने, शरीर पर ज्यादा बाल आना और प्रजनन समस्याएं शामिल हैं।इन लक्षणों को प्राकृतिक तरीके से नियंत्रित करने के लिए जानी-मानी आहार विशेषज्ञ और वेलनेस कंसल्टेंट, शीला कृष्णास्वामी संतुलित और स्वच्छ आहार लेने की सलाह देती हैं। वे कहती हैं कि बादाम, हरी पत्तेदार सब्जियां, दालें और साबुत अनाज जैसे प्राकृतिक खाद्य पदार्थ खाना जरूरी है, क्योंकि इससे शरीर को सही पोषण मिलता है और समग्र सेहत में सुधार होता है। पीसीओएस को नियंत्रित रखने के लिए संतुलित आहार लेना बेहद जरूरी है, जिसमें फल, हरी पत्तेदार सब्जियां, साबुत अनाज, दालें, फलियां और बादाम जैसे नट्स शामिल हों। बादाम खासतौर पर हेल्दी फैट्स, प्रोटीन और फाइबर के लिए जाना जाता है, जो पेट भरा हुआ महसूस कराता है और वजन नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके अलावा, बादाम में मैग्नीशियम होता है, जो ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में सहायक है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर-एनआईएन) की डाइटरी गाइडलाइन में भी बादाम जैसे पौष्टिक नट्स को रोजाना खाने की सलाह दी गई है, क्योंकि ये अच्छी सेहत के लिए फायदेमंद हैं।

अंजलि आनंद ने सोनी लिव के नए शो रात जवान है में राधिका की भूमिका निभाने के अनुभव को साझा किया

मुंबई , एजेंसी। मातृत्व, शादी और दोस्ती के बीच संतुलन बनाना कभी आसान नहीं होता, लेकिन सोनी लिव की बहुप्रतीक्षित सीरीज 'रात जवान है' की नायिका राधिका को ये सब करना पड़ता है। इस किरदार को प्रतिभाशाली अभिनेत्री अंजलि आनंद ने निभाया है। राधिका की यात्रा में ताकत, कमजोरी और छुपे हुए भावनात्मक संघर्षों का मेल है, जिसे अंजलि ने बेहद सजीव और वास्तविक तरीके से पेश किया है। अपने अनुभवों से प्रेरित होकर, अंजलि ने इस किरदार को नया और ताज़ा बना दिया है। उन्होंने दर्शकों को एक ऐसी महिला का चित्रण दिखाया है, जो अपनी जिम्मेदारियां बखूबी निभा रही है, लेकिन अपनी भावनाओं को अपने दिल में ही छिपाए रखती है। अंजलि आनंद ने बताया, राधिका का किरदार पूरी तरह से मुझसे नहीं मिलता, लेकिन उसके कुछ गुण ऐसे हैं जो मैं अपने जीवन में अपनाना चाहती हूँ। इस किरदार को निभाते हुए मुझे अपने एक अलग पहलू को दिखाने का मौका मिला और मैंने राधिका के मजबूत और आत्मनिर्भर स्वभाव से कई सबक सीखे। उसकी आत्मविश्वास और सच बोलने की आदत मुझे बहुत पसंद आई। मैं असल जिंदगी में थोड़ी और राधिका जैसी बनना चाहती हूँ। इसके अलावा, सेट का सकारात्मक माहौल और सभी का सहयोग मिलने से यह किरदार निभाना मेरे लिए आसान हो गया। यह अनुभव वाकई मेरे लिए यादगार बन गया। 'रात जवान है' में दर्शक राधिका (अंजलि आनंद), अविनाश (बरुन सोबती) और सुमन (प्रिया बापट) की कहानी देखेंगे। यह तीनों अपनी पहचान और दोस्ती को बनाए रखते हुए पैरेंटिंग के चैलेंज का सामना करते हैं।

आने वाले दिनों में बढ़ सकते हैं टमाटर के दाम

रोग और सरपेन्टाइन लीफ माइनर लार्वा ने बढ़ाई समस्या

नई दिल्ली, एजेंसी। टमाटर आने वाले समय में लोगों की जेब ढीली कर सकता है। इसकी वजह टमाटर की फसल में कीटों और रोगों का लगना है, जिसने महाराष्ट्र के नासिक जिले में निफाड के किसानों को परेशान कर दिया है। टमाटर में सरपेन्टाइन लीफ माइनर (पत्ती सुरंगक) की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। यह एक छोटी मक्खी (लिरियोमाइजा ब्रासिका) का लार्वा है, जो टमाटर और अन्य सब्जियों की फसलों को नुकसान पहुंचाता है।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप की समीक्षा रिपोर्ट में बताया गया है कि नासिक जिले में निफाड क्षेत्र में टमाटर में कीटों और रोगों की तीव्रता आर्थिक सीमा स्तर (इकनॉमिक थ्रेशहोल्ड लेवल यानी ईटीएल) से ऊपर पहुंच गई है। ईटीएल वह बिंदु है, जिस पर किसी रोग या कीट की आबादी एक निश्चित स्तर पर पहुंच जाती है, जहां आर्थिक नुकसान को रोकने के लिए नियंत्रण उपाय शुरू किए जाने चाहिए। लेकिन,

चेतावनी के बावजूद ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।

महाराष्ट्र टमाटर बुआई में पिछड़ गया है। नासिक जिले में टमाटर की औसत खेती करीब 21,000 हेक्टेयर में होती है और उत्पादन प्रति हेक्टेयर 30 टन होता है। नासिक के अंतर्गत आने वाले पिंपलगांव से दिल्ली, मध्य प्रदेश, असम और हरियाणा जैसे बाजारों में टमाटर की आपूर्ति होती है। बांग्लादेश व पाकिस्तान को निर्यात भी होता है। मध्य प्रदेश के भिंड जिले में धान की फसल में लीफ फोल्डर कीट की समस्या भी आर्थिक सीमा स्तर से ऊपर पाई गई है। 11 हेक्टेयर में फसल प्रभावित हुई है।

रेल मंत्रालय की पूंजीगत व्यय योजना की समीक्षा, वित्त मंत्री बोलीं- यात्रियों की सुरक्षा-सुविधा पर हो फोकस

नई दिल्ली, एजेंसी। रेल मंत्रालय की पूंजीगत व्यय योजना की समीक्षा करते हुए मंगलवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अधिकारियों से यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा पर ध्यान केंद्रित करने को कहा हैं। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से कवच प्रणाली (भारत की स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली) के कार्यान्वयन में चरणबद्ध तरीके से तेजी लाने और निर्धारित समय सीमा में आवंटित पूंजीगत व्यय लक्ष्य को पूरा करने को भी कहा है। रेल मंत्रालय के अधिकारियों ने केंद्रीय वित्त मंत्री को बताया कि कवच से संबंधित कार्य वर्तमान में दिल्ली-हावड़ा और दिल्ली-मुंबई खंडों पर 3000 आरकेएम (मार्ग किमी) से अधिक में प्रगति पर हैं। वित्त मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है, नागरिकों के लिए जीवन की सुगमता प्रदान करने पर सरकार के फोकस को रेखांकित करते हुए, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रेल मंत्रालय के अधिकारियों से क्षमता वृद्धि, यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

सर्वोटेक पावर सिस्टम्स लि. कर्नाटक के ग्रीन मोबिलिटी को विद्युतीकृत करेगी

मुंबई , एजेंसी। भारत के सबसे बड़े ईवी चार्जर निर्माता, सर्वोटेक पावर सिस्टम्स लिमिटेड ने बैंगलोर इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कंपनी लिमिटेड से 11 डीसी फास्ट ईवी चार्जिंग स्टेशन बनाने का एक महत्वपूर्ण अनुबंध प्राप्त किया है। इस अनुबंध के तहत सर्वोटेक कर्नाटक के विभिन्न क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय परिसरों में 11 सार्वजनिक इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन स्थापित करेगी। यह परियोजना इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग अवसंरचना को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगी, जिससे ईवी मालिकों के लिए कर्नाटक के विभिन्न क्षेत्रों में अपने वाहनों को चार्ज करना अधिक सुविधाजनक हो जाएगा।

सर्वोटेक योजना और डिजाइन से लेकर अंतिम स्थापना तक पूरी परियोजना के क्रियान्वयन का प्रबंधन करेगी। इसमें प्रत्येक आरटीओ स्थान पर ईवी चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना के लिए एक व्यापक योजना विकसित करना शामिल है, जो इष्टतम स्थान और क्षमता सुनिश्चित करेगा। सख्त सुरक्षा और प्रदर्शन मानकों को पूरा करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले चार्जिंग स्टेशनों का निर्माण, परीक्षण और निरीक्षण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, सर्वोटेक वारंटी समर्थन प्रदान करेगी और सभी आवश्यक विद्युत कनेक्शन और बिजली आपूर्ति व्यवस्था को संभालेगी।

सर्वोटेक पावर सिस्टम्स लिमिटेड की निदेशक सारिका भाटिया ने कहा, हम बैंगलोर इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कंपनी लिमिटेड के लिए इस परियोजना पर काम करने के लिए खुश हैं। ईवी क्षेत्र में एक अग्रणी लीडर के रूप में, यह पहल हमें भारत को एक ईवी-संचालित राष्ट्र में बदलने के हमारे सामूहिक लक्ष्य के करीब लाती है। हम अपने ग्रीन फुटप्रिंट बना रहे हैं, भारत के हर राज्य और हर क्षेत्र को कवर कर रहे हैं। हाल ही में एएनइआरटी के साथ सहयोग करने के बाद और अब बैंगलोर इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कंपनी लिमिटेड के साथ, ईवी चार्जिंग ढांचा बनाने की हमारी मजबूत इच्छा दिन-प्रतिदिन मजबूत होती जा रही है और हम भविष्य में अन्य नोडल एजेंसियों और डिस्कॉम के साथ सहयोग करके अपनी उपस्थिति बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। हमारे कुशल हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर समाधान विश्वसनीय ईवी चार्जिंग स्टेशन सुनिश्चित करेंगे, जो स्थिर यात्रा विकल्पों की बढ़ती मांग को पूरा करेंगे। यह परियोजना बढ़ते ईवी ग्राहक आधार का समर्थन करने और उच्च-मांग वाले क्षेत्रों में रणनीतिक रूप से ईवी चार्जिंग स्टेशनों को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है। एक साझा दृष्टि और समर्पण के साथ, हम टिकाऊ परिवहन समाधानों के माध्यम से ग्रीन मोबिलिटी की ओर एक सुचारू ऑपरेशन को आगे बढ़ा रहे हैं। इससे पहले, कंपनी ने केरल सरकार के पावर विभाग की एजेंसी फॉर न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी से 12 ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने का एक बड़ा अनुबंध किया था। इस अनुबंध के तहत सर्वोटेक को केरल मोटर वाहन विभाग के विभिन्न स्थानों पर 30केडब्ल्यू फास्ट डीसी इवी चार्जर के साथ 12 इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन बनाने हैं। इस अनुबंध में सर्वोटेक को ईवी चार्जिंग स्टेशनों की आपूर्ति, कमीशनिंग और निर्माण करना शामिल है।

पृष्ठ एक के शेष....

अरबों रूपए है सरदार...

बिल्डर पर नोएडा प्राधिकरण के 1 हजार 113 करोड़ रूपए बकाया है। इसी कड़ी में थ्रीसी बिल्डर पर नोएडा प्राधिकरण के 600 करोड़ रूपए बकाया है। यहां बताए गए सभी बिल्डर दिवालिया घोषित हो चुके हैं। इस कारण नोएडा प्राधिकरण के 9 हजार करोड़ रूपए डूब गए हैं।

ऐसे चलाता था पूरा खेल

सरदार मोहिंदर सिंह नोएडा प्राधिकरण में 14 दिसंबर 2010 को तैनात हुए थे। नोएडा में आते ही मोहिंदर सिंह ने अपने राजनैतिक आका तैयार कर लिए थे। अपने राजनैतिक आकाओं को अरबों रूपयों की कमाई करवाने के मकसद से सरदार मोहिंदर सिंह ने एक 'खेल' शुरू किया था। खेल यह था कि नोएडा प्राधिकरण की हजारों करोड़ मूल्य रूपये की जमीन मात्र 10 प्रतिशत धनराशि जमा कराकर कोई भी बिल्डर आवंटित करा सकता था। शर्त यह थी कि जमीन की कीमत का 25 प्रतिशत (सैकड़ों करोड़) मोहिंदर सिंह तथा उसके राजनीतिक आकाओं को नगद भेंट करना होता था। इसी 'खेल' के दौरान नोएडा प्राधिकरण के डिफाल्टर बिल्डर आम्रपाली, सुपरटेक, लॉजिक्स तथा थ्री-सी जैसे बिल्डरों को नोएडा प्राधिकरण की 10 हजार करोड रूपए से भी अधिक की जमीन आवंटित की गई थी। बिल्डरों ने इस आवंटन के बदले लाखों करोड़ रूपए की रिश्वत मोहिंदर सिंह तथा उसके आकाओं को दी थी। मोटी रिश्वत देने के कारण बिल्डरों ने नोएडा प्राधिकरण का बकाया चुकाने का प्रयास कभी किया ही नहीं। इस प्रकार नोएडा प्राधिकरण में हजारों करोड़ रूपए का 'खेला' हो गया।

विदेश भाग गया है सरदार

नोएडा प्राधिकरण के तत्कालीन सीईओ मोहिंदर सिंह के अनेक घपले-घोटाले सीबीआई तथा ईडी.... के सामने आ चुके हैं। कुछ मामले विभिन्न अदालतों में चल रहे हैं। भारत की पुलिस हो, सीबीआई ओ अथवा ईडी किसी भी एजेंसी को पता ही नहीं है कि सरदार मोहिंदर सिंह रिटायर्ड होने के बाद कहां पर है। चेतना मंच के सूत्रों का दावा है कि हजारों करोड़ रूपए का खेला करके नोएडा का मोस्ट वांटेड घोटालेबाज सरदार विदेश भाग गया है।

नोएडा को बर्बाद कर दिया था मोहिंदर सिंह ने

सब जानते है कि नोएडा व ग्रेटर नोएडा को उत्तर प्रदेश की औद्योगिक राजधानी कहा जाता था। प्रदेश की तमाम सरकारें इस क्षेत्र को प्रदेश के शो विन्डो के तौर पर प्रचारित करती रही है। यह क्षेत्र देश में ही नहीं, दुनिया भर में सबसे तेजी से विकसित होने वाला क्षेत्र था। किन्तु पिछले एक दशक में यहां जिस प्रकार सरकारी जमीन को बिल्डरों के नाम पर कुछ धंधेबाजों में बांटा गया उसने इस पूरे क्षेत्र की छवि को बर्बाद कर दिया है।

आज यह क्षेत्र पूरी तरह से डूब चुके है रियल एस्टेट कारोबार के रूप में चर्चित है। देश भर के लाखों नागरिक यहां बिल्डरों के नाम पर ठगी का धन्धा चलाने वालों का शिकार होकर आज अदालतों के चक्कर काट रहे हैं। आम्रपाली बिल्डर के मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले से बिल्डरों की ठगी का शिकार हुए बायर्स को एक उम्मीद की किरण नजर आयी है कि शायद देर सवेर उन्हें घर मिल जाए।

दरअसल नोएडा, ग्रेटर नोएडा क्षेत्र को बर्बाद करने वाली योजना सन् 2008 से शुरू हुयी थी। उस समय के अधिकारियों ने अपने राजनीतिक आकाओं के निर्देशों का हूबहू पालन करने का व्रत ले रखा था। अपने आकाओं को खुश रखने के लिए ये अफ्सर कुछ भी करने को तैयार रहते थे। इन अफ्सरों ने एक योजना बनायी जिसमें यह व्यवस्था की गयी कि आवंटन राशि का मात्र 10 प्रतिशत पैसा लेकर प्राधिकरणों की जमीन बिल्डरों को आवंटित कर दी जाए। इस प्रस्ताव को रातों रात प्राधिकरणों के बोर्डों से पास कराकर आकाओं के निर्देश पर शासन से भी पास कराने की औपचारिकता पूरी कर ली गयी। फ्रि शुरू हुआ आवंटन का खेल जिस किसी भी धन्धेबाज के पास काला धन था उसने अफ्सरों के आकाओं को करोड़ों की भेंट चढ़ाई और मन माफ्कि भूखंड हथिया लिया। देखते ही देखते नोएडा में बिल्डरों की भरमार हो गयी। चारो तरफ जोरदार प्रचार करके इन तथाकथित बिल्डरों ने अपना घर खरीदने के इच्छुक देश भर के नागरिकों से धन की उगाही शुरू कर दी। देखते ही देखते इन धन्धबाजों के पास हजारों करोड़ रूपये बुकिंग एमाउन्ट के रूप में आ गए। प्राधिकरणों को आवंटन राशि का 10 प्रतिशत पैसा देकर अनेक धन्धेबाज धन्ना सेठ बन गए। जिनकी हैसियत छोटी कार खरीदने की नहीं थी। उन्होंने बड़े-बड़े बंग्ले, महंगी महंगी विदेशी कार और ना जाने क्या क्या खरीद लिया। चन्द बिल्डर जो वास्तव में रीयल एस्टेट के जानकार थे उन्होंने तो ईमानदारी से घर बनाकर ग्राहकों को दे दिए। बाकी सब धन्धेबाज या तो बिल्डिंगों के स्ट्रक्चर बनकर गायब हो गए या केवल जमीन पर ही सपने बेचकर भाग गए। धीरे-धीरे स्थिति यह हो गयी कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा व यमुना क्षेत्र का पूरा रीयल एस्टेट का कारोबार चौपट हो गया। देश भर के लाखों बायर्स रात दिन सडक से लेकर संसद तक और संसद से लेकर उच्चत्तम न्यायालय तक न्याय की मांग करते घूम रहे हैं। इन धन्धेबाजों पर तीनों प्राधिकरणों की जमीनों के मूल्य का 28 हजार करोड़ रूपये बकाया है। जिसमें नोएडा प्राधिकरण का 16 हजार करोड़ रूपये, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण का 8500 करोड़ व यमुना विकास प्राधिकरण का 3500 करोड़ रूपये शामिल है। जो हालात है उन्हें देखकर तो कदापि नहीं लगता कि यह पैसा वसूल हो पाएगा। देश की सर्वोच्च अदालत भी जो मार्ग निकालने की कोशिश कर रही है। उसमें इन बिल्डरनुमा ठगों के जाल में फंसे निवेशकों को घर तो मिल सकते हैं। किन्तु प्राधिकरणों का पैसा मिल पाएगा, यह सम्भव नहीं लगता है।

इसीलिए ढेर सारे सवाल उठ रहे हैं। जानकारों का दावा है कि रियल स्टेट को बढ़ावा देने के नाम पर नोएडा, ग्रेटरनोएडा व यमुना में जो घोटाला हुआ है। वह अब तक का देश का सबसे बड़ा आवंटन घोटाला है। इस घोटाले को अंजाम देने वाले अधिकतर अफ्सर सेवानिवृत्त (रिटायर) होकर मौज की जिन्दगी जी रहे है। सौ टके का सवाल यही कि क्या देश का यह सबसे बड़ा आवंटन घोटाला परत-दर-परत खुल पाएगा? क्या इस घोटाले के गुनहगार पकड़े जाएगें? देखना यह होगा कि भ्रष्टाचार के लिए जीरो टोलरेंस की बात कहने वाली केन्द्र व प्रदेश की भाजपा सरकार इस आवंटन घोटाले में न्याय कर पाएगी।

मोहिन्दर सिंह है घोटाले का मुख्य सूत्रधार

नोएडा, ग्रेटर नोएडा व यमुना क्षेत्र की बेशकीमती सरकारी जमीन धन्धेबाजों को मात्र 10 प्रतिशत राशि लेकर आवंटित करने के घोटाले का मुख्य सूत्रधार नोएडा प्राधिकरण के तत्कालीन अध्यक्ष एवं सीईओ मोहिन्दर सिंह को माना जा रहा है। सूत्रों का दावा है कि अपने आकाओं का चहेता बना रहने के लिए मोहिन्दर सिंह ने ही यह योजना बनायी थी कि बिल्डर प्राधिकरण को मात्र 10 प्रतिशत राशि देकर अपना प्रोजेक्ट बना लें और बाकी धन किश्तों में अदा करते रहे। इसी योजना के कारण आज लाखों बायर्स, ठेकेदार, श्रमिक सड़कों पर हैं और प्राधिकरणों के 28 हजार करोड़ रूपये डूब गए हैं।

हरियाणा में 20...

वादे करती हैं, जो वास्तविक नहीं है और जिन्हें कभी पूरा नहीं किया जा सकता है। सीएम ने आगे कहा कि हम आपको भरोसा दिलाते हैं कि हम आज जो वादा कर रहे हैं, उसे पूरा किया जाएगा. लोग अब कांग्रेस से तंग आ चुके हैं, हरियाणा के लोग भाजपा के साथ हैं. भाजपा खटा-खट और टका-टक की राजनीति में विश्वास नहीं करती है। कांग्रेस ने हमेशा हरियाणा के लोगों को धोखा दिया है, लेकिन अब लोग कांग्रेस के असली चेहरे से वाकिफ हैं।

प्राधिकरण की कौड़ी...

साथ ही वाहनों को जाम का सामना करना पड़ेगा। इसलिए नया एक्सप्रेस वे बनाना जरुरी है।

प्राधिकरण के सीईओ ने बुधवार को लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के प्रमुख सचिव को भेजे गए एक पत्र में नए प्रस्तावित एक्सप्रेस-वे को राष्ट्रीय राजमार्ग नामित किए जाने के महत्व को रेखांकित किया। एक बार मंजूरी मिलने के बाद परियोजना को लागू करने के लिए आवश्यक औपचारिकताएं आगे बढ़ेंगी।

इसके निर्माण में करीब 2 से 3 हजार करोड़ रुपए का खर्च आएगा। इसके लिए दो ही विकल्प है। या तो एनएचएआई इसका निर्माण करे या फिर बीओटी के आधार पर निर्माण कराया जाए। बीओटी के महत इतना बड़ा प्रोजेक्ट कोई एक कंपनी लेती है तो टोल और अन्य राजस्व के माध्यम से वो निर्माण लागत वसूलेगी। इससे आम लोगों पर भार बढ़ेगा। ऐसे में प्राधिकरण ने एनएचएआई से पत्राचार किया। जिसने हामी भरते हुए एक सलाहकार कंपनी गठित की है। ये कंपनी प्रोजेक्ट की डिटेलिंग में प्राधिकरण की मदद करेगा।

चिल्ला बार्डर से एनएच-9 तक पहले से ही फ्लाईओवर बने है। चिल्ला से एक एलिवेटिड प्रस्तावित है। ये एलिवेटिड महामाया फ्लाईओवर तक प्रस्तावित है। यही से यानी कालिंदी कुंज यमुना नदी से पुश्ता रोड के साथ एक एलिवेटड ट्रैक और ग्राउंड ट्रैक बनाकर इसे सेक्टर-150 से जोड़ा जाए। ये 30 किमी का पैच एनएच घोषित होने पर एनएचएआई को बनाने में कोई आपत्ति नहीं होगी। क्योंकि नियमता एनएचएआई सिर्फ नेशनल हाइवे को कनेक्ट करते हुए इंफ्रा तैयार करती है।

कार से वकील...

एक पर्स इसमें 600 रूपए थे, एटीएम कार्ड , मेट्रो कार्ड, पैन कार्ड, आधार कार्ड, अधिवक्ता का मेंबरशिप कार्ड, दो फाइल आदि चोरी हो गई है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

400 टेस्ट विकेट हासिल करने के राह पर टिम साउदी, चाहिए मात्र 20 विकेट

रिचर्ड हेडली के बाद न्यूजीलैंड के दूसरे गेंदबाज बन जाएंगे

गॉल, एजेंसी। न्यूजीलैंड के कप्तान टिम साउदी को लगता है कि टेस्ट प्रारूप में 400 विकेट का आंकड़ा छूना आसान नहीं है। 380 विकेट ले चुके साउदी को इस उपलब्धि तक पहुंचने के लिए 20 विकेट ही चाहिए। ऐसा कर वह टेस्ट फॉर्मेट में 400 विकेट लेने वाले 18वें और रिचर्ड हेडली के बाद न्यूजीलैंड के दूसरे गेंदबाज बन जाएंगे। हालांकि 35 वर्षीय साउदी को लगता है कि 400 विकेट की उपलब्धि अभी भी उनसे कुछ दौरे दूर है, खासकर एशिया का दौरा, जहां स्पिनर लाल गेंद वाले क्रिकेट पर हावी होने के लिए पसंदीदा हैं।

साउथी ने पहले टेस्ट की पूर्व संध्या पर कहा कि हर खेल में आप बाहर जा रहे हैं और अपनी भूमिका निभाने और अपनी टीम के लिए कुछ विकेट लेने की कोशिश कर रहे हैं, और यह अच्छा होगा यदि आप उन मील के पत्थर को हासिल करते हैं। मुझे लगता है कि समय के साथ, जब आप लंबी अवधि के लिए खेलते हैं, तो मुझे लगता है, आप उसके करीब पहुंचने में सक्षम होते हैं, लेकिन फिर भी 20 विकेट दूर रहने के मतलब अभी आपके सामने बहुत सारे दौरे हैं।

ऐसे में अधिकांश विकेट स्पिनर के पास जाने की उम्मीद है। फिर भी साउथी को लगता है कि श्रृंखला में तेज गेंदबाजों की भूमिका होगी, भले ही यह एक कठिन चुनौती है। साउथी ने कहा कि मुझे लगता है कि ऐतिहासिक रूप से, यहां, विशेष

रूप से गॉल में, स्पिन ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। लेकिन तेज गेंदबाज के रूप में, यदि आप यहां आकर अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं, तो यह एक कठिन चुनौती है, लेकिन बहुत फायदेमंद चुनौती है।

न्यूजीलैंड इस साल मार्च के बाद अपना पहला टेस्ट खेलेगा। ग्रेटर नोएडा में अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के दौरान बारिश की वजह से श्रीलंका श्रृंखला की तैयारी की उनकी उम्मीदें बर्बाद हो गईं।साउदी ने कहा कि हां, यह निराशाजनक था (अफगानिस्तान के खिलाफ नहीं खेलना), लेकिन हमने फिर भी एक सप्ताह (भारत में) बिताया, जिससे हमें कुछ सकारात्मक चीजें मिलीं। हमें यहां कुछ प्रशिक्षण मिला।

पंजाब किंग्स के मुख्य कोच बने रिकी पोंटिंग

मोहाली, एजेंसी। पंजाब किंग्स ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग को आईपीएल 2025 सीज़न के लिए अपनी टीम का प्रमुख कोच बनाया है। इससे पहले वह पिछले सात साल तक दिल्ली कैपिटल्स के कोच थे और दो महीने पहले ही दोनों की राहें जुदा हुई थीं। जानकारी के अनुसार पोंटिंग ने पंजाब किंग्स के साथ एक से अधिक साल का क़रार किया है और अब वह ही अपने कोचिंग स्टाफ़ के अन्य सदस्यों का चयन करेंगे। फ़िलहाल पंजाब के कोचिंग स्टाफ़ में ट्रेवर बेलिस (मुख्य कोच), संजय बांगर (क्रिकेट सुधार प्रमुख), चार्ल लैंग्वेल्ट (तेज़ गेंदबाज़ी कोच) और सुनील जोशी (स्पिन गेंदबाज़ी कोच) हैं। अब देखना होगा कि इन्हें पोंटिंग की नई टीम में जगह मिलती है या नहीं। पंजाब किंग्स ने 2024 में 9वें स्थान पर अपने अभियान को समाप्त किया था। 2014 से पंजाब किंग्स की टीम प्लेऑफ़ के लिए क्वालिफ़ाई नहीं कर पाई है। पोंटिंग की पहली चुनौती उन खिलाड़ियों का चयन करना होगा, जो इस साल बड़ी नीलामी से पहले रिटेन किए जाएंगे। इसके बाद बड़ी नीलामी उनकी दूसरी चुनौती होगी। शिखर धवन के संन्यास लेने के बाद कप्तान का चुनाव भी पोंटिंग के लिए एक और सिरदर्द होगा। पिछले साल हर्षल पटेल, शशांक सिंह और आशुतोष शर्मा ने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया था, वहीं उनके पास जितेश शर्मा, अर्शदीप सिंह और राहुल चाहर जैसे भारतीय खिलाड़ी जबकि सैम करन, लियाम लिविंगस्टन, जॉनी बेयरस्टो और कैगिसो रबाडा जैसे विदेशी नाम हैं। पोंटिंग दिल्ली से पहले मुंबई इंडियन के साथ 2013 से 2016 के बीच सलाहकार और फिर मुख्य कोच के रूप में जुड़े थे।

केएल राहुलः

टीम इंडिया का क्राइसिस मैन, क्यों बन गया सॉफ्ट टारगेट ?

चेन्नई, एजेंसी। टीम इंडिया और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट गुरुवार (19 सितंबर) से चेन्नई में खेला जाएगा। यह मुकाबला लाल मिट्टी की पिच पर खेला जाएगा, जो तेज गेंदबाजों के लिए मददगार मानी जाती है। हालांकि, वक्त के साथ-साथ पिच का मिजाज भी बदलेगा। पिच, प्लेइंग-11 और टीम कॉम्बिनेशन को लेकर कई बातें उठी लेकिन इस बीच केएल राहुल का जिक्र भी हुआ। सवाल यह है कि आखिर टीम इंडिया का क्राइसिस मैन, हर किसी का सॉफ्ट टारगेट क्यों बन गया ? दोनों टीमों को लेकर बयानबाजी तेज हो गई है। इन सबके बीच कप्तान रोहित शर्मा ने प्रेस कांफ्रेंस की। पीसी में रोहित से केएल राहुल और सरफराज खान को लेकर सवाल किया गया। रोहित ने सीधे तौर पर राहुल का समर्थन किया। लेकिन सोचने वाली बात ये है कि हर सीरीज शुरू होने के पहले टीम में केएल राहुल की पोजीशन पर सवाल आखिर क्यों? इसका एक सबसे बड़ा कारण है कि लंबे समय तक खराब फॉर्म से जूझ रहे केएल राहुल को टीम ने हमेशा सपोर्ट किया और उन्हें मौके दिए। हालांकि, वो दौर अब बीत चुका है और केएल राहुल काफी हद तक टीम में जगह बनाने के हकदार हैं। कोच या कप्तान

ने उन्हें इसलिए भी बैक किया था क्योंकि ये वो बल्लेबाज है जो हर पैमाने में खुद को फिट करने की क्षमता रखता है। ओपनिंग से लेकर नंबर-5 तक बल्लेबाजी करना, विकेटकीपिंग संभालना और कई मौकों पर टीम की कप्तानी भी करना। यह सब रोल केएल राहुल निभा चुके हैं। एक समय था जब उन्हें टीम इंडिया का स्टेपनी कहा जाता था। हालांकि, राहुल पिछले कुछ वर्षों में एक सॉफ्ट टारगेट बन चुके हैं, फॉर्मेट चाहे जो भी हो। लेकिन जब-जब राहुल पर सवाल किया गया है उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से आलोचकों को जवाब दिया है। इस बल्लेबाज के करियर के शुरुआत दौर में उन्हें अगला विराट कोहली माना जाता था। लेकिन कई मौकों पर उनके शरीर और किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया। खास तौर पर इंजरी के बाद कमबैक कर रहे राहुल का बल्ला काफी समय तक खामोश रहा। कई मौकों पर उनकी धीमी बल्लेबाजी भी परेशानी का सबब रही। लेकिन वनडे विश्व कप 2023 में कई मौकों पर यही बल्लेबाज टीम के लिए खड़ा रहा था।

चाहे विदेशी जमीन हो या घरेलू सीरीज, हर जगह खुद को इतनी बार साबित करने के बाद भी राहुल की तुलना युवा सरफराज खान के साथ करना कितना ठीक है?

आज कल रिटायरमेंट मज़ाक..., क्या टी20 से संन्यास वापस लेंगे रोहित शर्मा? हिटमैन ने दिया ये जवाब

नईदिल्ली, एजेंसी। टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा टी20 से संन्यास ले चुके हैं. भारत को 2024 टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जिताने के बाद रोहित शर्मा ने टी20 इंटरनेशनल को अलविदा कह दिया था. इसके बाद रोहित ने श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में टी20 जैसी बैटिंग की, जिसके बाद चर्चा होने लगी थी कि शायद रोहित टी20 से संन्यास वापस ले लें. पर अब उन्होंने संन्यास से यू-टर्न पर मजेदार जवाब दिया है.

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट से पहले रोहित शर्मा ने जियो सिनेमा पर कहा, इन दिनों संन्यास वर्ल्ड क्रिकेट में एक मज़ाक बनकर रह गया है. लोग संन्यास की घोषणा करते हैं, लेकिन फिर खेलने के लिए लौट आते हैं. भारत में ऐसा नहीं हुआ है. हालांकि, मैं अन्य देशों के खिलाड़ियों को देख रहा हूं, वे संन्यास का एलान करते हैं, लेकिन फिर यू-टर्न ले लेते हैं. इसलिए आपको कभी पता नहीं चलता कि वास्तव में किसी ने संन्यास ले लिया है या नहीं. रोहित अपने टी20 इंटरनेशनल से संन्यास को लेकर कहते हैं, ÷मेरा फैसला अंतिम है और मैं बहुत स्पष्ट हूं. यह टी20 इंटरनेशनल को अलविदा कहने का सही समय था. मैं संन्यास वापस नहीं ले रहा हूं. रोहित ने यह भी बताया कि टी20 फॉर्मेट खेलना उन्हें काफी पसंद था.

वनडे फॉर्मेट में अपना 100वां मैच खेलेंगे एडम जम्पा

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की आगामी वनडे सीरीज का पहला मैच 19 सितंबर को इंग्लैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में खेला जाएगा। इस मुकाबले में एडम जम्पा इस फॉर्मेट में अपना 100वां मैच खेलेंगे। इस उपलब्धि को हासिल करने के करीब पहुंचने पर जम्पा ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह अपने देश के लिए वनडे में इतने मैच खेल पाएंगे। वे 100 वनडे खेलने वाले 32वें ऑस्ट्रेलियाई पुरुष खिलाड़ी बन जाएंगे। साथ ही शेन वॉर्न और ब्रैड हॉग के बाद ऑस्ट्रेलिया के लिए यह उपलब्धि हासिल करने वाले वे सिर्फ तीसरे विशेषज्ञ स्पिनर बन जाएंगे। इस खास मौके पर उनकी पत्नी हेरिएट, बेटा यूजीन और माता-पिता डैरेन और एलिसन ट्रेंट ब्रिज में मौजूद रहेंगे। जम्पा ने कहा, मैं 100 वनडे मैच खेलने पर गर्व महसूस कर रहा हूं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं ऑस्ट्रेलिया के लिए इतना खेलूंगा। जब आप देखते हैं कि आजकल लोग कितने वनडे मैच खेलते हैं, तो बहुत कम लोग 100 मैच खेल पाते हैं। 1990 और 2000 के दशक की शुरुआत में निश्चित रूप से बहुत अधिक वनडे क्रिकेट खेला जाता था और कोई टी20 मैच नहीं होता था। मैं कुल मिलाकर 200 अंतरराष्ट्रीय मैच (191) खेलने के करीब पहुंच रहा हूं, इसलिए मुझे इतना खेलने की उम्मीद नहीं थी। 99 वनडे मैचों में इस ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने 28.05 की औसत और 5.47 की इकॉनमी रेट से 169 विकेट लिए हैं। हालांकि जम्पा 2021 और 2023 में ऑस्ट्रेलिया के लिए क्रमशः टी20 विश्व कप और वनडे विश्व कप विजेता रहे हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि अधिक विश्व कप जीतने की चाह अभी भी उनके अंदर है। खासकर 2026 में भारत और श्रीलंका में होने वाले पुरुष टी20 विश्व कप पर उनका पूरा फोकस है।

एफआईएच हॉकी स्टार्स अवार्डः

हरमनप्रीत और पीआर श्रीजेश एफआईएच हॉकी वार्षिक पुरस्कार के लिए नामित

नई दिल्ली, एजेंसी। कप्तान हरमनप्रीत ने इस ओलंपिक में सबसे ज्यादा 10 गोल किए थे। वह इस ओलंपिक में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। इस पुरस्कार की दौड़ में हरमनप्रीत के अलावा थिएरी ब्रिंकमैन (नीदरलैंड), जोएप डी मोल (नीदरलैंड), हेंस मुलर (जर्मनी) और जैच वालेस (इंग्लैंड) शामिल हैं। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामित किया है। वहीं, पूर्व गोलकीपर पीआर श्रीजेश को वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर के पुरस्कार के लिए नामित किया है। दोनों ने पेरिस ओलंपिक में भारत के शानदार अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और टीम को कांस्य पदक दिलाया था। कप्तान हरमनप्रीत ने इस ओलंपिक में सबसे ज्यादा 10 गोल किए थे। वह इस ओलंपिक में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। इस पुरस्कार की दौड़ में हरमनप्रीत के अलावा थिएरी ब्रिंकमैन (नीदरलैंड), जोएप डी मोल (नीदरलैंड), हेंस मुलर (जर्मनी) और जैच वालेस (इंग्लैंड) शामिल हैं। अपने आखिरी टूर्नामेंट में खेलते हुए अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार गोलकीपिंग की थी। भारत ने स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया था। वहीं, श्रीजेश का मुकाबला पिरमिन ब्लैक (नीदरलैंड), लुइस कैलजाडो (स्पेन), जीन-पॉल डैनबर्ग (जर्मनी), टॉमस सैंटियागो (अर्जेंटीना) है। एफआईएच ने अपनी वेबसाइट पर इस सूची को जारी करते हुए कहा- नामांकन हासिल करने वालों का चयन एक विशेष समिति द्वारा किया गया है जिसमें प्रत्येक महाद्वीपीय संघ द्वारा चुने गए खिलाड़ी, कोच और अधिकारी शामिल हैं। इस सूची को अंतिम रूप देने से पहले विशेषज्ञ समिति को 2024 में आयोजित सभी अंतरराष्ट्रीय मैचों के मैच डेटा मुहैया कराए गए थे। इसमें टेस्ट मैच, एफआईएच हॉकी प्रो लीग, एफआईएच हॉकी नेशंस कप, एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर और पेरिस ओलंपिक 2024 के मुकाबले शामिल थे।

कुलदीप यादव पहली बार खेल सकते हैं लगातार 5 टेस्ट, ये है भारत-बांग्लादेश की संभावित प्लेइंग 11

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज की शुरुआत चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम पर 19 सितंबर से खेले जाने वाले मैच से होगी। भारत की नजरें दो टेस्ट मैच की सीरीज जीतकर घरेलू सरजमीं पर अपने दबदबे को बरकरार रखने और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की अंक तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिति और मजबूत करने पर टिकी होंगी। भारतीय क्रिकेट टीम 10 टेस्ट के सीजन की सकारात्मक शुरुआत करना चाहेगा, जिससे उसका डब्ल्यूटीसी फाइनल का दावा मजबूत बना रहे।

दोनों टीमों के बीच पिछली टेस्ट सीरीज में भारत ने बांग्लादेश का सूपड़ा साफ कर दिया था। चेन्नई की पिच पर भारत को दो स्पिनर्स के रूप में रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा के साथ खेलने की अनुमति मिल सकती है। बीसीसीआई की घरेलू सीजन में तेज गेंदबाजों को रोटेट करने की योजना को देखते हुए 2-3 संयोजन के साथ बने रहने की संभावना है।

ऐसे में कुलदीप यादव को करियर में पहली बार लगातार पांच टेस्ट खेलने का मौका मिल सकता है। हालांकि, टीम मैनेजमेंट को यह फैसला करना होगा कि एमए चिदंबरम स्टेडियम की लाल मिट्टी की पिच पर आकाशदीप या यश दयाल में से किसी एक को तीसरे तेज गेंदबाज के रूप में खिलाए या फिर घरेलू टेस्ट में तीन स्पिनर्स के साथ उतरने की प्रवृत्ति को बरकरार रखते हुए कुलदीप यादव को मौका दे। जसप्रीत बुमराह प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होंगे। भारतीय क्रिकेट टीम मोहम्मद सिराज की जगह आकाशदीप को आजमा सकती है। यह इसलिए भी है ताकि एक अनुभवी तेज गेंदबाज उपलब्ध रहे और दूसरा आराम करे। केएल राहुल को मध्यक्रम में सरफराज खान पर तरजीह दी जा सकती है। हालांकि, भारत के बल्लेबाजों को स्पिन के खिलाफ अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा।

400 टेस्ट विकेट हासिल करने के राह पर टिम साउदी

गॉल, एजेंसी। न्यूजीलैंड के कप्तान टिम साउदी को लगता है कि टेस्ट प्रारूप में 400 विकेट का आंकड़ा छूना आसान नहीं है। 380 विकेट ले चुके साउदी को इस उपलब्धि तक पहुंचने के लिए 20 विकेट ही चाहिए। ऐसा कर वह टेस्ट फॉर्मेट में 400 विकेट लेने वाले 18वें और रिचर्ड हेडली के बाद न्यूजीलैंड के दूसरे गेंदबाज बन जाएंगे। हालांकि 35 वर्षीय साउदी को लगता है कि 400 विकेट की उपलब्धि अभी भी उनसे कुछ दौरे दूर है ।

पुरुषों के बराबर होगी महिला टी-20 वर्ल्डकप की इनामी राशि

नई दिल्ली, एजेंसी। बीसीसीआई सचिव जय शाह के आईसीसी के चेयरमैन का पद संभालने से पहले ही बदलाव की शुरुआत हो गई है। क्रिकेट की अंतरराष्ट्रीय संस्था आईसीसी ने मंगलवार को बड़ा ऐलान किया। आईसीसी ने बताया कि अगले महीने यूएई में होने वाले महिला टी20 वर्ल्ड कप की इनामी राशि इस साल हुए पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के बराबर होगी। यह रकम बीते साल हुए महिला वर्ल्ड कप से दोगुनी है। इसे दोनों वर्ग के बीच समानता के तौर पर देखा जा रहा है।

महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में हारने वाली टीम भी मालामाल हो जाएगी। आईसीसी के ऐलान के मुताबिक महिला टी20 वर्ल्ड कप के उपविजेता को अब 17 लाख अमेरिकी डॉलर (करीब 14 करोड़ 24 लाख रुपये) दिए जाएंगे। पिछली बार उपविजेता को पांच लाख अमेरिकी डॉलर (करीब चार करोड़ 18 लाख रुपये) दिए गए थे।

आईसीसी के अनुसार महिला टी20 विश्व कप का खिताब जीतने वाली टीम को इस बार करीब 19 करोड़ 60 लाख रुपये मिलेंगे।

लीजेंड्स लीग में प्रदर्शन के लिए फॉर्म में रहना जरूरी है : रैना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना का मानना है कि लीजैंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) जैसे प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए खिलाड़ियों को शीर्ष फॉर्म में रहना होता है। एलएलसी का तीसरा सत्र 20 सितंबर से शुरू होगा जिसमें शिखर धवन और दिनेश कार्तिक जैसे हाल ही में क्रिकेट को अलविदा कहने वाले खिलाड़ी भी भाग लेंगे। रैना ने कहा कि एलएलसी काफी प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट है।

आप अलग अलग जगहों पर अलग अलग विकेटों पर खेल रहे हैं। इसमें कई सुपरस्टार हैं। आपको इरफान पठान, युसूफ पठान, क्रिस गेल, अंबाती रायुडू, रॉबिन उथप्पा और मुझे खेलते देखने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि छक्का लगाने के लिये फिट होना जरूरी है। गेंदबाज को चार अच्छे ओवर डालने हैं।

किसी के लिए ऐसी लीग में खेलना आसान नहीं है। ऐसा नहीं है कि आप रिटायर हुए और इसमें खेलने आ गए। अब इसके लिए भी काफी प्रतिस्पर्धा है। रैना ने इस दौरान बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज पर भी बात की। उन्होंने कोहली की वापसी पर बात करते हुए कहा कि डब्ल्यूटीसी में भारत लगभग 10 मैच खेलेगा और मेरा मानना है कि विराट इस टेस्ट चक्र में ढेर सारे रन बनाएंगे। रैना बोले- टीम इंडिया के रोहित शानदार कप्तान हैं।

उन्होंने इसे तब साबित किया जब भारतीय टीम ने टी2ओ विश्व कप ट्रॉफी जीती। लेकिन ध्यान विराट कोहली की रेड-बॉल क्रिकेट में वापसी पर होगा। उन्हें टेस्ट मैच पसंद हैं और वे उन्हें बहुत सम्मान देते हैं।

एक छोटा बच्चा दूसरे बच्चे से - अगर दिन को सूर्य न निकला तो क्या होगा?
दूसरे बच्चे ने जवाब दिया - बिजली का बिल बढ़ जाएगा।

●●●●●●●

टीचर (मिन्नी से) - आज स्कूल में देर से आने का तुमने क्या बहाना ढूंढा है?
मिन्नी - सर आज मै इतनी तेज दौड़ कर आई कि बहाना सोचने का मौका ही नही मिला।

●●●●●●●

मैनेजर ने आने वाले से पूछा - क्या तुम्हें पता नहीं कि आज्ञा के बिना अन्दर आना मना है।
आने वाला - जनाब मैं आज्ञा लेने के लिए ही अन्दर आया हूं।

●●●●●●●

पत्नी - मैंने आज सपनो में देखा है कि तुम मेरे लिए हीरों का हार लाए हो, इस सपने का क्या मतलब है?
पति - आज शाम को बताऊगा। शाम को पति ने एक पैकेट पत्नी को लाकर दिया। पत्नी ने खुशी-खुशी पैकेट खोला तो उस मे एक किताब निकली । किताब का नाम था, सपनों का मतलब।

●●●●●●●

नया सिपाही (इंस्पैक्टर से) - सर ये बिलकुल गलत है कि मैं उस चोर से डर गया था।
इंस्पैक्टर - तो तुम उस गाड़ी के पिछे क्यों छिपे थे?
नया सिपाही - जी वह तो मैं कुत्ता देख कर छिपा था।

●●●●●●●

अध्यापक - बाबर भारत में कब आया?
बंटी - पता नहीं सर।
अध्यापक - बोर्ड पर नहीं देख सकते, नाम के साथ ही लिखा है।
बंटी - मैंने सोचा, शायद वह उसका फोन नम्बर है।

●●●●●●●

एक बहानेबाज कर्मचारी का दादा उस के दफ्तर में जा कर उस के बॉस से बोला- इस दफ्तर में सुनील नाम का व्यक्ति कार्य करता है, मुझे उस से मिलना है, वह मेरा पोता है।
बॉस ने मुस्करा कर कहा - मुझे अफसोस है, आप देर से आए है, वह आप की अर्थी को कंधा देने के लिए छुट्टी लेकर जा चुका है।

●●●●●●●

सेठानी (नौकरानी से) - क्यों महारानी जी आज आने में इतनी देर क्यों लगा दी?
नौकरानी - सेठानी जी मैं सीढ़ियों से गिर गई थी।
सेठानी - तो क्या उठने में इतनी देर लगती है।

●●●●●●●

कंबो शहर की यात्रा

एक दिन कौमी कौआ काफी दिनों बाद अपने गांव आया। गांव में सभी पक्षियों ने उसका खूब स्वागत किया। कौमी में एक आदत थी कि जब भी वह गांव जाता तो अपने सभी दोस्तों के लिए कुछ न कुछ खाने की चीज साथ लेकर जरूर जाता। इस बार वह पिज्जा लेकर गया, जिसका स्वाद चखकर सभी पक्षियों को आनंद आ गया। पिज्जा खाकर कोबू कबूतर बोला- 'भई कौमी, यह तो तू कमाल की चीज लेकर आया है। इसमें जो स्वाद है, ऐसा स्वाद हमने कहीं नहीं चखा। इससे पहले तू पास्ता लेकर आया था। वह भी गजब की चीज थी! वैसे बड़ा मजा आता है शहर में रहने का। वहां अच्छी-अच्छी चीजें मिलती हैं खाने की। अब तो तेरे साथ मैं भी कंबो शहर चलूंगा।' कोबू कबूतर की बात सुनकर कौमी ने हां कहते हुए अपना सिर हिलाया।

कौमी जब भी कंबो शहर से गांव आता तो मैकू मोर उससे कहता कि इस बार तो अपने साथ ले चल। पर कौमी हर बार मैकू को कोई बहाना बनाकर टाल देता था। कौमी मन में सोचता-इतना भारी-भरकम शरीर है। कंबो शहर में इसका गुजारा करना मुश्किल हो जाएगा। एक तो वहां भीड़भाड़ बहुत है और पेड़ों की कमी है। जो भी पेड़ बचे हैं वो भी एक-एक कर कटते जा रहे हैं। मेरा ही वहां रहना मुश्किल हो रहा है। मैं जिस पेड़ पर रहता हूं, वह भी किसी दिन कट जाएगा, क्योंकि वहां पर कोई बड़ी बिल्डिंग बनाई जाएगी। मेरा क्या, मैं तो किसी की छत पर फुर्र से उड़कर चला जाऊंगा। किसी रास्ते से भी भोजन उठा लूंगा। पर मैकू मोर ये सब नहीं कर पाएगा। लेकिन कैसे समझाऊं मैकू को।

तभी फुदकती हुई गौरी गौरैया आ धमकी। बोली- 'पिज्जा बहुत अच्छा था। अगली बार भी लेकर आना।'

'जरूर लाऊंगा। इससे भी अच्छी चीज लेकर आऊंगा।' कौमी ने कहा।

गौरी गौरैया भी बहुत दिनों से सोच रही थी कि कौमी के साथ कंबो शहर घूमकर आए। हर बार कोई न कोई काम उसे लगा ही रहता था। इस बार वह कौमी के साथ पक्का जाएगी, यह सोचकर कौमी से बाली- 'कौमी भइया, आप तो खूब घूमते रहते हैं और हम यहां से कहीं घूमने ही नहीं जा पाते। इस बार हमें भी कंबो घुमाने अपने साथ ले चलो न।' कौमी बोला- 'जरूर ले चलूंगा। तुम्हें तो देखकर वहां लोग बहुत खुश होंगे।'

उधर तारू तोता भी कौमी के साथ चलने के लिए तैयार हो गया। पिछली बार जब कौमी आया था तो उसने वादा किया था कि अगली बार वह तारू को जरूर लेकर जाएगा। कौमी ने कोबू कबूतर, गौरी गौरैया और तारू तोता को अपने साथ ले चलने के लिए तो कह दिया, लेकिन सोच में पड़ गया कि वहां जाकर ये लोग परेशान न हो जाएं। अगले दिन चारों दोस्त तैयार होकर कंबो शहर चल दिए। दिन भर उड़ान भरी और शाम को शहर पहुंच गए। गौरी शरीर में बहुत छोटी थी, इसलिए ज्यादा थक गई। उसे जल्दी से नींद आ गई। अगले दिन सुबह कौमी के साथ वे तीनों दोस्त घूमने के लिए निकले। पूरे शहर का चक्कर लगाया। ऊंची-ऊंची बिल्डिंग, हर जगह भीड़-भाड़ और शोर-शराबा। इस तरह का माहौल उन्होंने कहीं नहीं देखा था। कौमी जहां रहता था, वहीं थोड़ी-बहुत हरियाली थी। उसके पास में रिहायशी इलाका था और उससे आगे काफी दूर तक बहुत सारी फैक्टरी थीं। दूसरे दिन कौमी को अपने काम पर जाना था। उसने दोस्तों से कहा कि आज तुम लोग खुद घूमो। तीनों दोस्त पास के रिहायशी इलाके में घूमने चल दिए। गौरी गौरैया एक मकान की छत पर चली गई। उस छत पर कई छोटे-छोटे बच्चे खेल रहे थे। उन्होंने छोटी गौरैया को देखा तो बहुत खुश हुए। मौनू ने पहली बार इतनी छोटी गौरैया को देखा था। उसने तुरंत अपनी मम्मी को आवाज लगाई- 'मॉम, देखो हमारी छत पर कितनी छोटी चिड़िया आई है।' मॉम तुरंत दौड़कर आईं और बोलीं- यह चिड़िया तो यहां दिखाई ही नहीं देती है, कई सालों पहले देखी थी। इसके लिए एक बर्तन में पानी लाओ और कुछ खाने को दो। कितनी सुन्दर चिड़िया है ये! मौनू तुरंत एक बर्तन में पानी भरकर ले आया। साथ में कुछ ब्रेड, बिस्किट के टुकड़े लाया और उसके सामने रख दिए और मम्मी के साथ दूर जाकर खड़ा हो गया। गौरी ने फुदक-फुदक कर बिस्किट और ब्रेड खाए और पानी पीकर उड़ गई।

उधर कोबू कबूतर घूमने निकला तो उसे एक स्थान पर बहुत सारे कबूतर दिखाई दिए, जो वहां पड़े अनाज को खा रहे थे। कोबू भी उनमें जा मिला और खूब छक कर अनाज खाया। तारू तोता भी वहां इधर-उधर घूमा। घरों की छतों पर खूब चक्कर लगाए। वहां कुछ खाने का भी सामान मिला, लेकिन फल खाने को नहीं मिले, क्योंकि वहां फलों के पेड़ ही नहीं थे। उसे प्यास लगी, तो पास में ही नाली में गंदा पानी बह रहा था। प्यास सहन न होने की वजह से उसे वही पानी पीना पड़ा। पानी पीकर उसे चक्कर आने लगे। वह पास की ही छत पर उड़ते हुए गिर पड़ा। छत पर एक बच्चा खेल रहा था। उसने अपनी मॉम को बुलाया तो उन्होंने उसे पकड़कर थोड़ी देर छाया में रखा, उसके बाद उसे पानी पिलाया। थोड़ी देर में होश आने के बाद वह उड़ गया और कौमी के घर आ गया। कौमी को जब यह बात पता लगी तो बहुत दुखी हुआ। उसने तीनों दोस्तों से कहा कि कोई भी नाली का पानी न पिए। यह बहुत खतरनाक है। शहर में कहीं साफ पानी दिखाई ही नहीं देता था सिवाय नाली और नालों के। छतों पर पक्षियों के प्रति दयालु लोग ही पानी रख देते हैं।

तीन-चार दिन कौमी के दोस्त खूब घूमे-फिरे, लेकिन उन्हें वहां रहकर संतुष्टि नहीं हुई। वह कौमी से वापस अपने गांव जाने की बात कहने लगे। कौमी ने कहा, दोस्तों, कुछ दिन और रहो। लेकिन तीनों घूम-घूम कर और वहां के वातावरण को देखकर परेशान हो गए थे। गांव में तो वे बहुत दूर-दूर तक घूमने चले जाते थे। साफ पानी की वहां कमी नहीं थी, जगह-जगह नहर व तालाब आदि थे। फलों की कोई कमी नहीं थी। बाग-बगीचे बहुत थे, पर शहर में ये सब कहां? चारों तरफ मकान ही मकान थे और जगह-जगह गंदगी युक्त नालिओं में बहुता हुआ पानी। खैर, एक दिन कौमी के साथ तीनों दोस्त अपने गांव वापस आ गए। गांव आकर उन्होंने राहत की सांस ली। जब उन्होंने कौमी से पूछा कि दोस्त तुम वहां ऐसे वातावरण में कैसे रह लेते हो, तो कौमी कहता- क्या करें, हमें तो वहां की आदत हो गई है। जो जहां रहता है, उसे वहीं की आदत पड़ जाती है।

हवाई जहाज की कहानी

दोस्तों, आसमान में ऊंची उड़ान भरते हवाई जहाज को तुमने कई बार देखा ही होगा। पर क्या तुम यह जानते हो कि इसे कब बनाया था और किसने बनाया था? आखिर किसके मन में इसे बनाने का ख्याल आया था। इसे बनाने के पीछे क्या प्रेरणा थी? नहीं पता, कोई बात नहीं। आज हम तुम्हें बताते हैं हवाई जहाज का इतिहास।

इसे सबसे पहले बनाया था राइट ब्रदर्स ने। विल्वर और ओरविल में केवल चार साल का अंतर था। जिस समय उन्हें हवाई जहाज बनाने का ख्याल आया, उस समय विल्वर सिर्फ 11 साल का था और ओरविल की उम्र थी 7 साल। हुआ यूं कि एक दिन उनके पिता उन दोनों के लिए एक उड़ने वाला खिलौना लाए। यह खिलौना बांस, कॉर्क, कागज और रबर के छल्लों का बना था। इस खिलौने को उड़ता देख विल्वर और ओरविल के मन में भी आकाश में उड़ने का विचार आया। उन्होंने निश्च किया कि वे भी एक ऐसा खिलौना बनाएंगे।

इसके बाद वे दोनों एक के बाद एक कई मॉडल बनाने में जुट गए। अंततः उन्होंने जो मॉडल बनाया, उसका आकार एक बड़ी पतंग सा था। इसमें ऊपर तख्ते लगे हुए थे और उन्हीं के सामने छोटे-छोटे दो पंखे भी लगे थे। जिन्हें तार से झुकाकर अपनी मर्जी से ऊपर या नीचे ले जाया जा सकता था। बाद में इसी यान में एक सीधी खड़ी पतवार भी लगाई गई। इसके बाद राइट भाइयों ने अपने विमान के लिए 12 हॉर्सपावर का एक पेट्रोल इंजन बनाया और इसे वायुयान की निचली लाइन के दाहिने और निचले पंख पर फिट किया और बाईओर पायलट के बैठने की सीट बनाई। राइट बंधुओं के प्रयोग काफी लंबे समय तक चले। तब तक वे काफी बड़े हो गए थे और अपने विमानों की तरह उनमें भी परिपक्वता आ गई थी। आखिर में 1903 में 17 दिसम्बर को उन्होंने अपने वायुयान का परीक्षण किया। पहली उड़ान ओरविल ने की। उसने अपना वायुयान 36 मीटर की ऊंचाई तक उड़ाया। इसी यान से दूसरी उड़ान विल्वर ने की। उसने हवा में लगभग 200 फुट की दूरी तय की। तीसरी उड़ान फिर ओरविल ने और चौथी और अन्तिम उड़ान फिर विल्वर ने की। उसने 850 फुट की दूरी लगभग 1 मिनट में तय की। यह इंजन वाले जहाज की पहली उड़ान थी। उसके बाद नए-नए किस्म के वायुयान बनने लगे, पर सबके उड़ने का सिद्धांत एक ही है।

सच्चे सुख की प्राप्ति

एक बार स्वामी रामदास जी भिक्षा मांगते हुए किसी घर के सामने खड़े हुए और उन्होंने आवाज लगाई रघुवीर समर्थ! घर की स्त्री बाहर आई। उसने उनकी झोली में भिक्षा डाली और कहा, महात्मा जी कोई उपदेश दीजिए।
स्वामी रामदास जी बोले, आज नहीं कल दूंगा।
दूसरे दिन स्वामी रामदास जी ने पुनः उस घर के सामने आवाज लगाई रघुवीर समर्थ ! उस घर की स्त्री ने उस दिन खीर बनाई थी। वह खीर का कटोरा लेकर बाहर आई। स्वामी जी ने अपना कमंडल आगे कर दिया। वह स्त्री जब खीर डालने लगी तो उसने देखा कि कमंडल में कूड़ा भरा है। उसके हाथ ठिठक गए वे बोली, महाराज कमंडल तो गंदा है।
स्वामी रामदास जी बोले, हां गंदा तो है किंतु खीर इसमें डाल दो।
स्त्री बोली, नहीं महाराज तब तो खीर खराब हो जाएगी। कमंडल दें मैं धो लाती हूं। स्वामी जी बोले, मतलब जब कमंडल साफ होगा तभी खीर डालोगी।
स्त्री बोली, जी महाराज
स्वामी जी बोले, मेरा भी यही उपदेश है। मन में जब तक चिंताओं का कूड़ा करकट और बुरे संस्कार रूपी गोबर भरा है। तब तक उपदेशामृत का कोई लाभ नहीं होगा। यदि उपदेशामृत प्राप्त करना है तो प्रथम अपने मन को शुद्ध करना चाहिए, कुसंस्कारों का त्याग करना चाहिए, तभी सच्चे सुख और आनंद की प्राप्ति होगी। मन साफ हो स्वच्छ हो तभी वह आनंद की अनुभूति कर सकता है।

सफलता के रास्ते

एक गरीब युवक अपनी गरीबी से परेशान होकर अपना जीवन समाप्त करने नदी पर गया। वहां एक साधू ने उसे ऐसा करने से रोक दिया। साधु ने युवक की परेशानी को सुन कर कहा कि, मेरे पास एक विद्या है। जिससे ऐसा जादुई घड़ा बन जाएगा तुम जो भी इस घड़े से मांगोगे वह पूरा हो जाएगा, पर जिस दिन यह घड़ा फूट गया, उसी समय जो कुछ भी इस घड़े ने तुम्हें दिया है वह सब गायब हो जाएगा। अगर तुम मेरी 2 साल तक सेवा करो तो ये घड़ा मैं तुम्हे दे सकता हूं और अगर 5 साल तक तुम मेरी सेवा करो तो मैं ये घड़ा बनाने की विद्या तुम्हें सिखा दूंगा। बोलो तुम क्या चाहते हो ?
युवक ने कहा, महाराज मैं तो 2 साल ही आप की सेवा करना चाहूंगा। मुझे तो जल्द से जल्द बस ये घड़ा चाहिए मैं इसे बहुत संभाल कर रखूंगा कभी फूटने ही नहीं दूंगा। इस तरह 2 साल सेवा करने के बाद युवक ने वो जादुई घड़ा प्राप्त कर लिया और अपने घर पहुंच गया। उसने घड़े से अपनी हर इच्छा पूरी करवानी शुरू कर दी। महल बनवाया, नौकर चाकर मांगे आदि। सभी को अपनी शान शौकत दिखाने लगा, सभी को बुला-बुला कर दावतें देने लगा और बहुत ही विलासिता का जीवन जीने लगा।
उसने शराब भी पीनी शुरू कर दी और एक दिन नशे में घड़ा सिर पर रख नाचने लगा और ठोकर लगने से घड़ा गिर गया और फूट गया। घड़ा फूटते ही सब कुछ गायब हो गया। अब युवक सोचने लगा कि, काश! मैंने जल्दबाजी न की होती और घड़ा बनाने की विद्या सीख ली होती। तो आज मैं फिर से कंगाल न होता।

याद रखो... *ईश्वर हमें हमेशा दो रास्तों पर रखता है एक आसान, जल्दी वाला और दूसरा थोड़ा लम्बे समय वाला पर गहरे ज्ञान वाला। ये हम पर निर्भर करता है कि हम किस रास्ते पर चलें। कोई भी काम जल्दी में करना अच्छा नहीं होता बल्कि उसके विषय में गहरा ज्ञान आपको अनुभवी बनाता है।*

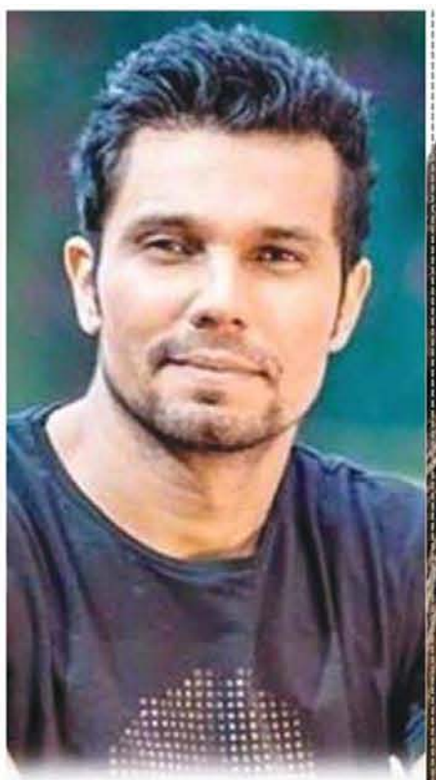

ऋतिक और शाहिद से प्रतिस्पर्धा नहीं करना चाहते रणदीप

रणदीप हुड्डा हिंदी फिल्मों के मशहूर अभिनेता हैं। उन्होंने कई फिल्मों में अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है। उन्हें हाईवे और सरबजीत जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। आखिरी बार वह पर्दे पर इस साल की शुरुआत में फिल्म स्वातंत्र्य वीर सावरकर में नजर आए थे। हाल में ही उन्होंने कहा कि वो ऋतिक रोशन, शाहिद कपूर, जैसे अभिनेताओं से मुकाबला नहीं करना चाहते, क्योंकि उनका मानना है कि वो कलाकार वो सब नहीं कर सकते, जो रणदीप कर सकते हैं। उन्होंने कहा वह डांस के बजाय मेथड एक्टिंग को पसंद करते हैं। अभिनेता ने साझा किया कि उन्हें ट्रांसफॉर्मेशनल एक्टिंग करना पसंद है, जहां किसी किरदार की सच्चाई जानने के लिए खुद को तैयार करना पड़ता है। फिल्मों में पुलिस की भूमिका निभाने का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने वर्दी पहनने वाले कार्डबोर्ड पुलिस वाले की भूमिका नहीं निभाई है। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह ऋतिक रोशन, शाहिद कपूर और टाइगर श्रॉफ जैसे अभिनेताओं के साथ उनके डांस कौशल को लेकर प्रतिस्पर्धा नहीं करना चाहते हैं। अभिनेता ने कहा कि वे वह नहीं कर सकते, जो वे स्क्रीन पर करते हैं और वे उनकी तरह डांस नहीं सकते क्योंकि वे अच्छे डांसर नहीं हैं।

अपने अंदर यूएसपी होना जरूरी

अभिनेता ने कहा कि वह पुलिस वालों के किरदार को काफी सामान्य तरीके से निभाने में विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहास,वे इंसान हैं, जो पुलिस वाले हैं। यहीं पर आप अंतर पैदा करते हैं और क्योंकि मैं डांस में अच्छा नहीं था, इसलिए मैंने इसमें अच्छा होना चुना। फिर, ऋतिक, शाहिद और टाइगर के साथ प्रतिस्पर्धा क्यों करें, जब वो बहुत अच्छा डांस करते हैं। वो लोग वो सब नहीं कर सकते, जो मैं करता हूं। अपने अंदर एक यूएसपी ढूंढना जरूरी होता है।

सिनेमा के माध्यम से उपदेश नहीं दे सकते

इस दौरान उन्होंने बॉलीवुड में अपने सफर को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि वे अपने करियर में सार्थक और मनोरंजक फिल्मों का हिस्सा रहे हैं। रणदीप ने आगे कहा कि फिल्म निर्माता सिनेमा के माध्यम से दर्शकों को उपदेश नहीं दे सकते, क्योंकि कोई भी व्याख्यान सुनना पसंद नहीं करता। अभिनेता ने कहा कि फिल्में मनोरंजन के माध्यम से दर्शकों को जानकारियां दे सकती हैं। बताते चलें कि रणदीप ने साल 2001 में मीरा नायर की मॉनसून वेडिंग से बॉलीवुड में डेब्यू किया था।

फिल्मों में इन अभिनेत्रियों ने अभिनय से जीता दिल

करीना कपूर की गिनती हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के शानदार अभिनेत्रियों में होती है। हर तरह के रोल में उन्होंने अपने अभिनय कौशल को साबित किया है। द बकिंघम मर्डर्स से पहले करीना कपूर खान जाने जां नाम की सस्पेंस थ्रिलर फिल्म में नजर आ चुकी हैं। फिल्म में उनके साथ जयदीप अहलावत और विजय वर्मा जैसे कलाकारों ने अभिनय किया था। रहस्यों से भरी फिल्में बनाने के लिए मशहूर सुजॉय घोष ने इस फिल्म का निर्देशन किया था। रिलीज के साथ सोशल मीडिया लोगों ने करीना के अभिनय की खूब तारीफ की थी। आज हम आपको उन सस्पेंस थ्रिलर फिल्मों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनमें बॉलीवुड अभिनेत्रियों के अभिनय को लोगों ने खूब पसंद किया था।

भूमि पेडनेकर

भूमि पेडनेकर ने बहुत कम समय में लोगों के दिलों में खास जगह बना ली है। अपने अभिनय करियर में वह अब तक कई तरह के किरदारों में खुद को ढाल चुकी हैं। नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई उनकी सस्पेंस थ्रिलर फिल्म भक्षक में उन्होंने शानदार अदाकारी दिखाई थी। इस फिल्म की लोगों ने जमकर तारीफ की थी।

तापसी पन्नू

तापसी पन्नू फिल्म इंडस्ट्री की प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। ग्लैमरस रोल के साथ वह संजीदा किरदारों को भी बखूबी पर्दे पर उतार चुकी हैं। फिल्म बदला को उनके करियर की बेहतरीन फिल्मों में से एक माना जाता है। सुजॉय घोष के निर्देशन में बनी इस फिल्म में उनके साथ अमिताभ बच्चन भी नजर आए थे। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने शानदार कारोबार कर दिग्गजों को भी चौंका दिया था। वहीं, नेटफ्लिक्स की सस्पेंस थ्रिलर फिल्म हसीन दिलरुबा में भी तापसी पन्नू ने शानदार अदाकारी दिखाई थी।

विद्या बालन

इस सूची में पहला नाम विद्या बालन का है। वह अपनी प्रतिभा से लाखों दिलों पर राज करती हैं। सुजॉय घोष की कहानी उनके करियर की सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक है। इस फिल्म में शुरुआत से लेकर अंत तक विद्या अपने पति की तलाश में नजर आती हैं। हालांकि, इसका क्लाइमैक्स चौंका देने वाला था। फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। बॉक्स ऑफिस पर भी इस फिल्म ने शानदार कमाई की थी।

भूल भुलैया में जो भी हूं विद्या की वजह से हूं

भूल भुलैया 3 दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म के प्रचार की तैयारी शुरू हो गई है। हाल ही में, फिल्म के कलाकार गोरेगांव फिल्म सिटी में प्रचार सामग्री की शूटिंग करने पहुंचे। पैपराजी के जरिए इस मौके की कई तस्वीरें देखने को मिली है। इस हॉरर कॉमेडी फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर मौजूद एक वीडियो में राजपाल यादव और विद्या बालन को एक साथ देखा गया। पैपराजी ने दोनों को साथ में पोज देने के लिए कहा। इस दौरान राजपाल ने पैपराजी से बात करते हुए कहा कि भूल भुलैया में, मैं जो भी हूं, इनकी (विद्या बालन) वजह से हूं। ये सुनते ही विद्या ने हंसते हुए कहा कि कुछ भी। राजपाल ने विद्या को बताया कि कैसे उनके किरदार मंजुलिका ने भूल भुलैया को एक फ्रेंचाइजी में बदलने में मदद की। इस पर विद्या ने राजपाल यादव को शुक्रिया भी कहा। राजपाल और विद्या के अलावा कार्तिक आर्यन और तृप्ति डिमरी भी कैमरे में कैद हुए। कार्तिक आर्यन काले रंग की बंदगला ड्रेस में और तृप्ति लाल रंग की साड़ी में नजर आई।

वेब सीरीज सिटाडेल सीजन 2 के लिए तैयार प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा ने अपनी आगामी वेब सीरीज सिटाडेल की शूटिंग शुरू कर दी है। उन्होंने वेब सीरीज से जुड़ी एक वीडियो क्लिप अपने सोशल मीडिया अकाउंट की स्टोरी पर आज सुबह ही साझा की है, जिसे देखने के बाद प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपने आगामी प्रोजेक्ट्स की बैक-टू-बैक शूटिंग में व्यस्त हैं। उन्होंने हाल ही में कई हॉलीवुड फिल्मों की शूटिंग पूरी की है और अब उन्होंने अपनी आगामी वेब सीरीज सिटाडेल सीजन 2 की शूटिंग शुरू कर दी है। प्रियंका ने वेन्यू पर जाते समय इसकी पहली झलक सोशल मीडिया पर साझा की है, जिसपर अब प्रशंसक लगातार अपनी राय साझा कर रहे हैं। प्रियंका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें वह मौके पर गाड़ी चलाती नजर आ रही हैं और उन्होंने लिखा, हैलो सिटाडेल एस 2।

सीटाडेल हिंदी संस्करण

सीटाडेल 2 में इस बार मुख्य कलाकारों के अलावा कई नए चेहरे भी दिखाई देंगे, जिनमें मर्ले डैंड्रिज, राहुल कोहली, माइकल, मैट बेरी और गेब्रियल लियोन शामिल हैं। वहीं सिटाडेल की भारतीय सीरीज सिटाडेल- हनी बनी 7 नवंबर को शुरू होगी। इसके हिंदी रूपांतरण में वरुण धवन और सामंथा रूथ प्रभु मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस सीरीज ने हाल ही में अपना टीजर जारी किया है जिसमें दोनों कलाकार जबर्दस्त और दमदार एक्शन सीन में नजर आ रहे हैं।

राजकुमार राव ने की द बकिंघम मर्डर्स की प्रशंसा

करीना कपूर खान और हंसल मेहता की फिल्म द बकिंघम मर्डर्स ने बॉक्स ऑफिस पर करोड़ों रुपये की कमाई कर ली है। प्रशंसक सोशल मीडिया पर करीना की इस फिल्म की जमकर तारीफ कर रहे हैं। अब इस फिल्म पर राजकुमार राव की प्रतिक्रिया आई है। बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान की मर्डर मिस्ट्री थ्रिलर फिल्म द बकिंघम मर्डर्स में नजर आ रही हैं। यह फिल्म 13 सितंबर को रिलीज हुई थी और इसे दर्शकों से जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। राजकुमार राव ने भी फिल्म की तारीफ की और इसे एक मनोरंजक थ्रिलर बताया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम की स्टोरी पर करीना की इस फिल्म को लेकर एक पोस्ट साझा किया है और अपनी प्रतीक्रिया दी है।

राजकुमार राव ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म से करीना का एक लुक साझा किया और लिखा, सिनेमाघरों में चल रही इस मनोरंजक थ्रिलर को जरूर देखें। बता दें बकिंघम मर्डर्स करीना कपूर और हंसल मेहता की एक साथ पहली फिल्म है। 13 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई 'द बकिंघम मर्डर्स' में करीना कपूर खान के अलावा ऐश टंडन, रणवीर बरार और कीथ एलन जैसे बेहतरीन कलाकारों ने अहम भूमिका निभाई हैं। हंसल मेहता द्वारा डायरेक्टेड और असीम अरोड़ा, कश्यप कपूर और राघव राज कक्कड़ द्वारा लिखी गई यह कहानी, महाना फिल्म्स और टीबीएम फिल्म्स का प्रोडक्शन है, जिसे बालाजी टेलीफिल्म्स द्वारा प्रेजेंट किया गया है और शोभा कपूर, एकता कपूर और पहली बार प्रोड्यूसर बनीं करीना कपूर खान द्वारा साथ प्रोड्यूस किया गया है।

राजकुमार की आगामी फिल्में

राजकुमार राव फिलहाल स्त्री 2 की सफलता का आनंद ले रहे हैं। इस फिल्म में राजकुमार के अलावा श्रद्धा कपूर, अभिषेक बनर्जी, अपारशक्ति खुराना और पंकज त्रिपाठी ने अहम भूमिका निभाई है। इस बीच राजकुमार राव की आगामी फिल्म मालिक का पोस्टर जारी हुआ है। इस पोस्टर के साथ राजकुमार राव ने लिखा, मालिक की दुनिया में आपका स्वागत है। शूट शुरू हो चुका है जल्द ही मुलाकात होगी। इस फिल्म के अलावा राजकुमार राव की हॉरर-कॉमेडी स्त्री 3 की भी घोषणा हो चुकी है।

करीना कपूर की आगामी फिल्में

फिल्म द बकिंघम मर्डर्स में अपना जलवा बिखेर चुकीं करीना कपूर खान की कई फिल्में पाइपलाइन में हैं। निर्देशक रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स की आगामी फिल्म सिंघम अगेन में करीना नजर आएंगी। यह फिल्म सिंघम फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त है। इस फिल्म में करीना एक बार फिर से अवनी के किरदार से तहलका मचाती नजर आएंगी।

हॉलीवुड फिल्म की कॉपी नही है राजकुमार-तृप्ति की विक्की विद्या का वो वाला वीडियो?

राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी जल्द ही कॉमेडी-ड्रामा फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में नजर आने वाले हैं। फिल्म का ट्रेलर पारिवारिक ड्रामा, 90 के दशक की यादों, हास्य और रहस्य से भरा हुआ है। इस बीच ऐसी खबरें भी आईं कि फिल्म कैमरून डियाज की सेक्स टेप से प्रेरित है। फिल्म के ट्रेलर को देखने के बाद सोशल मीडिया पर विक्की विद्या का वो वाला वीडियो पर कहानी को कॉपी करने का आरोप लगने लगा। आखिरकार अब इस बारे में फिल्म के लेखक-निर्देशक राज शांडिल्य ने चुप्पी तोड़ी है और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। हाल ही में में फिल्म निर्देशक राज शांडिल्य ने फिल्म की कहानी सेक्स टेप से कॉपी होने के दावे को खारिज कर दिया और कहा कि उनकी फिल्म का हॉलीवुड फिल्म से कोई लेना-देना नहीं है। हाल ही में पीटीआई को दिए गए एक इंटरव्यू में निर्देशक राज शांडिल्य ने खुलासा किया कि राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी अभिनीत उनकी आगामी फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो का कैमरून डियाज की सेक्स टेप से कोई लेना-देना नहीं है। फिल्म निर्माता ने यह भी कहा कि उन्होंने जेसन सेगल और कैमरून डियाज की 2014 की फिल्म भी नहीं देखी है। उन्होंने बताया, किसी ने मुझसे ट्विटर पर पूछा, क्या यह फिल्म सेक्स टेप जैसी है? मैंने कहा, हमारी फिल्म में कोई सेक्स नहीं है। हमारे एक लेखक ने मुझे बताया कि उस फिल्म में उनका वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो गया। हमारी फिल्म का वीडियो कपल द्वारा बनाया गया है और वे अपनी लापरवाही के कारण सीडी खो देते हैं। फिल्म निर्माता ने आगे बताया कि उनकी फिल्म के किरदार और कहानी अलग हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें हॉलीवुड फिल्म से प्रेरणा नहीं मिली, बल्कि उन्हें जीवन और अपने आस-पास के लोगों से प्रेरणा मिली। राज ने यह भी बताया कि वह आगामी फिल्म के सीक्वल पर काम कर रहे हैं, जो इंटरनेट के शुरुआती दिनों पर आधारित होगी। उन्होंने कहा, जहां यह फिल्म खत्म होती है, वहां हम इसका सीक्वल बनाएंगे, जिसकी कहानी 10-15 साल बाद की होगी, जब इंटरनेट का आगमन हो चुका होगा। हमने कहानी लिख ली है। मैं जब दूसरी फिल्म बनाऊंगा, उसके बाद हम इस फिल्म की शूटिंग करेंगे। इस बीच, उन्होंने कहा कि विक्की कौशल का वो वाला वीडियो की प्रेरणा सह-लेखक यूसुफ अली खान से मिली और पटकथा पर काम 2018 में शुरू हुआ। राज शांडिल्य द्वारा निर्देशित विक्की विद्या का वो वाला वीडियो 1990 के दशक की कहानी पर आधारित है। इस फिल्म को शुद्ध मसाला एंटरटेनर के रूप में बताया जा है। यह पारिवारिक ड्रामा 11 अक्तूबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

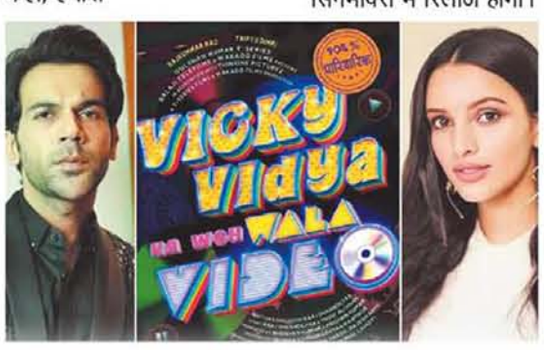

मुस्कान सेठी ने पैसा वसूल से किया इंडस्ट्री में आगाज

अभिनेत्री मुस्कान सेठी अपना जन्मदिन मना रही हैं। मुस्कान सेठी का जन्म राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हुआ। मुस्कान ने प्रैट इंस्टीट्यूट, न्यूयॉर्क से इंटीरियर डिजाइन में डिप्लोमा किया गया है। वर्ष 2017 में उन्होंने फिल्म पैसा वसूल से डेब्यू किया। उन्हें रंगीला और रागला 24 गंटालो जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। मुस्कान ओटीटी पर भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुकी हैं, उन्हें लव स्लीप रिपीट और मसाबा मसाबा में देखा गया है।

मुख्यमंत्री योगी का ऐलान, गाजियाबाद में बनाया जाएगा 'एम्स'

युवाओं को उद्यमी बनने की योजना जल्द लाएंगे: योगी आदित्यनाथ

गाजियाबाद (चेतना मंच)। रामलीला मैदान, घंटाघर में जिला प्रशासन द्वारा वृहद रोजगार मेला, ऋण वितरण, स्मार्ट फोन/टैबलेट वितरण, विकास कार्यों का शिलान्यास/उद्घाटन और प्रधानमंत्री आवास योजना कार्यक्रम आयोजित किया गया। तेज बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में छात्र व जनपदवासी कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा वृहद रोजगार मेला का निरीक्षण किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री द्वारा युवाओं, कम्पनियों व बैंक के प्रतिनिधियों के साथ वार्ता भी की गई। कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश में चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की एक शार्ट फिल्म दिखाई गयी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत माता की जय के उद्घोष के साथ विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि सर्वप्रथम मैं आपके साहस एवं स्वागत के लिए हृदय से आभार प्रकट करता हूं कि सुबह से हो रही तेज बारिश में भी आप लोगों द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया। हम प्रदेश के सभी युवाओं के सपनों को उठाव देने के लिए एक नई ऊंचाई तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। वर्तमान में जनपद गाजियाबाद इतना बदल गया है कि आज से 10 वर्ष पूर्व जितने गाजियाबाद देखा होगा वह आज के गाजियाबाद को देखते हुए आश्चर्यचकित होगा। आज जनपद स्मार्ट सिटी बन चुका है। गाजियाबाद में आज हर बुनियादी सुविधाएं है जिसमें रेपिड, मैट्रो, एअरपोर्ट, एलिवेटिड सहित अन्य सुविधाऐं है। मै बताना चाहूंगा कि आने वाले समय में जनपद में एम्स बनाया जायेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यहां निवेशक भी हैं, तो रोजगार भी हैं। यहां उत्तरांचल भवन भी है और पूर्वांचल भवन भी है। यहां हर आयोजनों के लिए प्रत्येक सुविधाऐं है। इसके साथ ही जनपद में सौन्दर्यकरण का कार्य निरन्तर क्रियान्वित है। विपक्षियों की नीति थी कि बस उनके माफिया ही पनपे, जिनसे की उनकी जेब व घर भरते हैं, उन्हें आम जन व जनपद, देश—प्रदेश के विकास से दूर—दूर तक कोई सरोकार नहीं था। विपक्षियों द्वारा राम मंदिर निर्माण, स्वच्छता व विकास सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओं और कार्यों में रोड़ा बनते रहे और उग्रवाद, जातिवाद, धर्मवाद को बढ़ावा देने का कार्य कर आ रहे हैं। यदि कोई प्रदेश का माहौल खराब करने का कार्य करेगा या विकास में रोड़ा बनेगा तो हम उस जमीन से उखाड़ फेकेंगे। इसी का नतीजा है कि आज उत्तर प्रदेश में माफिया/अपराधियों का नामों निशान नहीं है, जिसके चलते दंगे होने, भय का माहौल सब खत्म हो गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है और जिसमें उत्तर प्रदेश की अहम भूमिका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द ही मुख्यमंत्री उद्यमी स्कीम लाई जा रही है जिसके चलते युवाओं को उद्यमी बनने के लिए बिना ब्याज के प्रथम चरण में 05 लाख व द्वितीय चरण में 10 लाख में दिये जायेंगे।

10,000+युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 10,000+ युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। उन्होने कहा कि हम प्रदेश के प्रत्येक युवा को उसकी काबिलियत के अनुसार उसकी पसंद का रोजगार देने के लिए बाध्य है। भविष्य में उत्तर प्रदेश के युवाओं को अन्य प्रदेशों में रोजगार के लिए नहीं जाना पड़ेगा।

कार्यक्रम के दौरान जनसभा को कैबिनेट मंत्री सुनील कुमार शर्मा, कपिल देव अग्रवाल राज्य मंत्री, बृजेश सिंह राज्य मंत्री, अतुल गर्ग सांसद गाजियाबाद–12, सुनीता दयाल महापौर नगर निगम गाजियाबाद, अजीत पाल त्यागी विधायक मुरादनगर, नन्द किशोर गुर्जर विधायक लोनी, डॉ.मंजू शिवाज विधायक मोदीनगर, धर्मेश सिंह तौमर विधायक धौलाना, संजीव शर्मा भाजपा महानगर अध्यक्ष, रमेश चंद तोमर पूर्व सांसद, अनिल अग्रवाल पूर्व सांसद राज्य सभा ने सम्बोधित किया।

कार्यक्रम में नरेन्द्र कश्यप राज्य मंत्री, बृजेश सिंह राज्य मंत्री, श्रीमती ममता त्यागी अध्यक्षा जिला पंचायत गाजियाबाद, अजीत पाल त्यागी विधायक मुरादनगर, डॉ.मंजू शिवाज विधायक मोदीनगर, धर्मेश सिंह तौमर विधायक धौलाना, दिनेश गोयल सदस्य विधान परिषद, सतेन्द्र सिसौदिया क्षेत्रीय अध्यक्ष पश्चिमी उत्तर प्रदेश,

6000+ स्मार्ट फोन व टैबलेट वितरित

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लाभार्थी विद्यार्थियों को स्मार्ट फोन व टैबलेट वितरीत करते हुए कहा कि भारत डिजिटलीकरण की ओर बढ़ रहा है और उत्तर प्रदेश भारत को डिजटलीकरण कराने में अहम भूमिका निभायेंगा। मुख्यमंत्री द्वारा मौके पर 12 लाभार्थियों को स्मार्ट फोन व टैबलेट वितरित किए गये। कार्यक्रम के तहत 6000+ स्मार्ट फोन व टैबलेट वितरित किये गये।

संजीव शर्मा भाजपा महानगर अध्यक्ष, सतपाल जिला अध्यक्ष, जनरल (से.नि.) विजय कुमार सिंह पूर्व सांसद, मयंक गोयल एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मंच संचालन श्रीमती पूनम शर्मा ने किया।

757 करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा रूपये 757 करोड़ की 111 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास प्रतीकात्मक रूप से किया गया। उन्होने जनपद वासियों को विश्वास दिलाया कि गाजियाबाद स्मार्ट सिटी बन गया है और जनपद में लगातार सौंदर्यकरण का कार्य चल रहा हैं।

मुख्यमंत्री ने समरकूल ग्रुप के चेयरमैन को सौंपा 30 करोड़ का चैक

गाजियाबाद (चेतना मंच)। गाजियाबाद में आयोजित वृहद रोजगार मेले के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समरकूल ग्रुप के चेयरमैन संजीव कुमार गुप्ता को समरकूल ग्रुप की ग्रोथ और कंपनी के नये प्लांट को स्थापित करने के लिए तीस करोड़ रुपये का चैक सौंपा। उप्र में उद्योगों की स्थिति को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इस धनराशि को दिया गया है। जिससे प्रदेश में रोजगार को भी बढावा मिलेगा। इस अवसर पर संजीव कुमार गुप्ता ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी की सरकार उधोग जगत के हितों को ध्यान में रखते हुए अनेकों योजनाओं को

चला रही है। जिसके कारण उप्र में इंवेस्टर्स अब अधिक संख्या में आ रहें हैं। मुख्यमंत्री द्वारा चैक सौंपने पर उन्होंने प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और एमएसएमई सैक्टर सहित गाजियाबाद के जिलाधिकारी इंद्र विक्रम सिंह, डीईसी और गाजियाबाद के जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री सुनील कुमार शर्मा, नरेंद्र कुमार कश्यप, कपिल देव अग्रवाल, पूर्व केन्द्रीय मंत्री जनरल वी के सिह, सांसद अतुल गर्ग, महापौर सुनीता दयाल, विधायक अजीत पाल त्यागी, नंदकिशोर गुर्जर, जिलाधिकारी गाजियाबाद, सीडीओ, आदि उपस्थित रहे।

नोएडा की लेडी डॉन काजल खत्री गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में जनवरी 2024 में नोएडा के सेक्टर 100 में एयरलाइन क्रू–मेंबर सूरजमान की हत्या कराने वाली लेडी डॉन को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। नोएडा की लेडी डॉन काजल खत्री पर 25 हजार रुपये का इनाम था और उसने सूजरमान की हत्या कुख्यात गैंगस्टर कपिल मान के पिता की हत्या का बदला लेने के लिए कराई थी।

नोएडा और दिल्ली पुलिस की वांटेड रही लेडी डॉन काजल खत्री को दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। काजल खत्री जेल में बंद कुख्यात गैंगस्टर कपिल मान की गर्लफ्रेंड है। लेडी डॉन काजल खत्री पर 25 हजार रुपये का इनाम था। आपको बता दें कि 19 जनवरी 2024 को एयरलाइंस में काम करने वाले सूरजमान की 2 शूटर ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। सूरजमान की हत्या तब की गई जब वह सेक्टर 100 में स्थित एक जिम से बाहर निकलकर अपनी कार में बैठा हुआ था। इस हत्याकांड की जांच में सामने आया था की काजल खत्री नाम की लेडी डॉन ने दोनों शूटर को हत्या के लिए हायर किया था।

नोएडा में मारा गया सूरजमान दिल्ली के कुख्यात गैंगस्टर परवेश मान का भाई था। परवेश की कुख्यात गैंगस्टर कपिल मान से दुश्मनी चल रही थी। कपिल मान जेल में बंद था। इसलिए सूरजमान को ठिकाने लगाने का काम उसने अपनी गर्लफ्रेंड और लेडी डॉन काजल को दिया था।

डूब क्षेत्र में रजिस्ट्री का मामला

हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे जिलाधिकारी

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्ध नगर से एक बड़ी खबर सामने आई है। जिले के डूब और खादर क्षेत्र में रजिस्ट्री के मुद्दे पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने निर्णय लिया है कि वे हाईकोर्ट के हालिया आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे। इसके लिए जिला प्रशासन ने उत्तर प्रदेश शासन को प्रस्ताव भेज दिया है, और जैसे ही मंजूरी मिलेगी, डीएम सर्वोच्च न्यायालय में विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर करेंगे।

हाल ही में हाईकोर्ट ने यमुना और हिंडन के खादर क्षेत्र में रुकी हुई रजिस्ट्री को फिर से शुरू करने का आदेश दिया था। इस आदेश के बाद जिला प्रशासन का निर्णय, जिसमें डूब क्षेत्र में रजिस्ट्री पर रोक लगाई गई थी, निरस्त हो गया। अब डूब क्षेत्र में अवैध कॉलोनियों के लिए भूखंडों की रजिस्ट्री धड़ल्ले से हो रही है, जिससे भूमाफिया को सीधा लाभ मिल रहा है।

गौतमबुद्ध नगर में भूमाफियाओं ने वर्षों से डूब क्षेत्र में हजारों अवैध प्लॉट काट दिए हैं। जबकि 2020 में जिला प्रशासन ने डूब क्षेत्र में रजिस्ट्री पर रोक लगाई थी, हाल ही में हाईकोर्ट के आदेश ने इसे खत्म कर दिया है। अब, कृषि भूमि पर छोटे–छोटे प्लॉट काटकर रजिस्ट्री करवाई जा रही है, जिससे दलाल भी सक्रिय हो गए हैं। रजिस्ट्री दफ्तरों में लंबी लाइनें लग रही हैं, और लोग इन भूखंडों की रजिस्ट्री कराने के लिए अधीर हैं।

गौतमबुद्धनगर के जिला प्रशासन ने 2020 में एक आपदा प्रबंधन कमेटी की बैठक में डूब क्षेत्र में अवैध निर्माण रोकने का फैसला लिया था। इसके अंतर्गत, सभी डूब क्षेत्र में कृषि भूमि की रजिस्ट्री पर प्रतिबंध लगाया गया था। इस निर्णय के अनुसार, किसी भी भूमि की रजिस्ट्री के लिए संबंधित प्राधिकरण से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) लेना आवश्यक था। इस प्रक्रिया में एडीएम से आवेदन करने के बाद, 30 दिनों के भीतर रिपोर्ट मांगी जाती थी। अगर रिपोर्ट नहीं आती थी, तो आवेदन को निरस्त माना जाता था।

डीएम मनीष कुमार वर्मा ने स्पष्ट किया है कि उनकी प्राथमिकता अवैध रजिस्ट्री को रोकना है। जिला प्रशासन अब सुप्रीम कोर्ट में हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देकर इस मामले में पुनर्विचार की कोशिश करेगा। अगर सुप्रीम कोर्ट में प्रशासन की बात रखी जाती है, तो इससे अवैध रजिस्ट्री पर फिर से रोक लग सकती है, जिससे डूब क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

सेक्टर–47 आरडब्ल्यूए की समस्याएं सुनी मुख्य अभियंता ने

नोएडा (चेतना मंच)। विद्युत विभाग के मुख्य अभियंता हरीश बंसल नोएडा के सेक्टर–47 के आरडब्ल्यूए ऑफिस में विद्युत वितरण

से संबंधित मीटिंग ली जिसमें विद्युत विभाग द्वारा कराए जा रहे कार्य जिसमे पुराने खराब पोल बदलने कार्य, अंडर ग्राउंड केबल डालना,ट्री ब्रांच चॉपिंग, सहित सभी कार्य के प्रगति की समीक्षा की आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष भदौरिया, सचिव अनूप राय, विश्वनाथन (रि.आईएएस) ईई एसके शर्मा, एसडीओ अजय सिंह, जूनियर इंजीनियर साथ रहे।

कांग्रेसियों ने कानून व्यवस्था को लेकर किया प्रदर्शन

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर मेरठ मंडल मुख्यालय पर बिगड़ती कानून व्यवस्था और पुलिसिया उत्पीड़न के विरोध में महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा के अध्यक्ष मुकेश यादव के नेतृत्व में प्रदर्शन में दर्जनों कांग्रेसी कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल हुए।

प्रदर्शन के दौरान नोएडा महानगर के अध्यक्ष मुकेश यादव ने कहा कि मेरठ मंडल में आने वाले जिलों में कानून व्यवस्था बिगड़ी है और आम जनता पर पुलिसिया उत्पीड़न बढ़ गया है।

मुख्यालय पर किए गए प्रदर्शन में महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा अध्यक्ष मुकेश यादव, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य दिनेश अवाना, पूर्व जिलाध्यक्ष गौतमबुद्धनगर दिनेश शर्मा, पूर्व नोएडा महानगर अध्यक्ष शहाबुद्दीन, यूपी कांग्रेससोशल मीडिया कोऑर्डिनेटर वा पीसीसी पवन शर्मा वरिष्ठ नेता राम भरोसे शर्मा, दादरी विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष जीतू शर्मा, आरिफ़, आसिफ़, दीपक यादव, राजेन्द्र, रणवीर भाटी, सन्नी, विनोद, वीरेंद्र व कई अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डीएम ने की बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के सभागार में समस्त मतदेय स्थलों के भौतिक सत्यापन उपरांत तैयार की गई आलेख्य सूची को अंतिम रूप दिए जाने के लिए सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक हुई। जिसमें आलेख्य सूची के संबंध में अपनी–अपनी लिखित आपत्तियां एवं सुझावों से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया।जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि आलेख्य सूची के संबंध में आज जो आपत्ति एवं सुझाव प्राप्त हुए हैं संबंधित अधिकारियों के द्वारा ससमय निस्तारण कराना सुनिश्चित किया जाए ताकि आलेख्य सूची को अंतिम रूप प्रदान किया जा सके।

उद्यमी अभिषेक जैन ने गन्नौर मंदिर में की पूजा–अर्चना

नोएडा (चेतना मंच)। औद्योगिक शहर नोएडा में अनंत चतुर्दशी (पर्युषण महापर्व) एवं विश्वकर्मा की जयंती पर सेक्टर–5 स्थित दीप ज्योति रबर प्राइवेट लिमिटेड पर भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान दीप ज्योति के सीएमडी एवं जिला कांग्रेस कमेटी व्यापार प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष अभिषेक जैन ने बताया कि दस लक्षण पर्व, जैन धर्म का एक प्रमुख त्यौहार है। यह जैन धर्म के दस प्रमुख गुणों का सम्मान करने के लिए मनाया जाता है।

देवताओं के शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की जयंती धूमधाम से मनाई गई। पर्युषण महापर्व पर दीप ज्योति रबर प्राइवेट लिमिटेड के सीएमडी अभिषेक जैन ने परिजनों के साथ गन्नौर मंदिर (हरियाणा) जाकर पूजा–अर्चना की।

अनंत चतुर्दशी (पर्युषण महापर्व) एवं इस पर्व के दौरान जैन धर्म के अनुयायी दस लक्षणों का पालन करते हैं। ये दस लक्षण हैं– उत्तम क्षमा, उत्तम मार्दव, उत्तम आर्जव, उत्तम शौच, उत्तम सत्य, उत्तम संयम, उत्तम तप, उत्तम त्याग, उत्तम आकिंचन्य, उत्तम ब्रह्मचर्य है। अभिषेक जैन ने बताया कि अनंत चतुर्दशी (पर्युषण महापर्व) एवं विश्वकर्मा की जयंती पर दीप ज्योति कंपनी पर भगवान विश्वकर्मा की पूजा–अर्चना के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया। इस भंडारे में परिजनों के साथ ही कर्मचारी एवं अन्य विशिष्ट लोग शामिल हुए।

सेक्टर–53 में सपाइयों ने मनाई विश्वकर्मा पूजा

नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर के महासचिव विकास यादव के नेतृत्व में सेक्टर–53 स्थित कंचनजंगा मार्केट नोएडा महानगर कैंप कार्यालय पर बड़े धूमधाम से विश्वकर्मा पूजा का आयोजन किया।

इस मौके पर वरिष्ठ सपा नेता व प्रदेश सचिव सुनील चौधरी ने कहा कि सृष्टि को आधुनिक युग की ओर ले जाने वाले भगवान विश्वकर्मा ने जो ज्ञान दिया है उसी के फलस्वरुप आज वैज्ञानिक रूप में जीवनयापन कर रहे हैं।

महासचिव विकास यादव ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा ने शिल्पकार शैली का निर्माण कर हमें आधुनिक युग का मार्ग प्रशस्त किया। कार्यक्रम का संचालन महानगर मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव के द्वारा किया गया। रामपाल विश्वकर्मा ने सभी लोगों को विश्वकर्मा पूजा की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम में रामवीर यादव, अरविंद चौहान, तनवीर हुसैन, साहिल चौधरी, रामपाल विश्वकर्मा, ब्रह्मपाल विश्वकर्मा, रामनिवास विश्वकर्मा, रविंद्र यादव, सतबीर यादव, महेश विश्वकर्मा, राहुल विश्वकर्मा, विपिन विश्वकर्मा, भूपेंद्र विश्वकर्मा, कमल गौतम, राणा मुखर्जी, प्रवीण शर्मा, शाहिद, अजीत, इंद्रजीत, सौरभ चौहान, दशरथ ठाकुर मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

ग्रेटर नोएडा के किसान फिर करेंगे बड़ा आंदोलन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा उत्तर प्रदेश का प्रसिद्ध शहर है। ग्रेटर नोएडा शहर को 124 गांवों की जमीन पर बसाया गया है। ग्रेटर नोएडा तो सुंदर शहर बन गया किन्तु क्षेत्र के गांवों के किसानों की अनेक समस्याएं आज भी मौजूद हैं। अपनी समस्याओं के समाधान के लिए ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के किसान समय–समय पर आंदोलन करते रहते हैं। एक बार फिर ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के किसानों ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के विरूद्ध आंदोलन करने का बड़ा फैसला किया है।

बुधवार को ग्रेटर नोएडा के किसानों की एक पंचायत आयोजित की गई। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के किसानों की पंचायत ग्रेटर नोएडा के प्रसिद्ध गांव डाढा में हुई। पंचायत का आयोजन डाढा गांव में महेश भाटी की बैठक पर हुआ। ग्रेटर नोएडा में हुई इस पंचायत की अध्यक्षता क्षेत्र के वरिष्ठ राजनेता वीरेन्द्र डाढा ने की और संचालन अन्नी बैरागी ने किया। पंचायत में सभी ग्रामवासियों ने कहा कि 6 प्रतिशत प्लॉट अभी तक नहीं लगे हैं गांव की जमीन को अधिग्रहण हुए 18 वर्ष हो चुके हैं ग्रामीण लगातार प्राधिकरण के चक्कर काट रहे हैं दुखी होकर ग्रामीणों ने यह पंचायत ग्राम डाढा में की है और यह संकल्प लिया है कि हम परिवार सहित प्राधिकरण पर धरना देंगे।

इस मौके पर वीरेंद्र डाढा ने कहा कि हमारा समर्थन किसानों के साथ है। हम जितने ग्रेटर नोएडा में गांव हैं। जिनको अभी तक 6 प्रतिशत प्लॉट नहीं मिले हैं। हम सभी किसानों को जागरुक कर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ आंदोलन में हिस्सा लेंगे। इसकी शिकायत डॉ. संजय निषाद के द्वारा मुख्यमंत्री तक भेजेंगे।

इस मौके पर किसान एकता संघ के प्रदेश महासचिव सतीश कनारसी, जिला अध्यक्ष एकता संघ पप्पे नागर, रेसपाल भाटी, बिन्नू पहलवान, महेंद्र सरपंच, धीरज भाटी, बलजीत सिंह, विजेंद्र भाटी, ऋषिपाल ठेकेदार, चंद्रपाल बैरागी, विजयपाल, अजी महाशय, ओमकार चचुला, नीरज चचुला, सोमेंद्र भाटी, महेश पहलवान आदि सैकड़ों किसान मौजूद रहे।